भाद्रपद कृष्ण पक्ष-14, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 119 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
13 अक्टूबर 2023 शुक्रवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

स्कूली बच्चों को 15सौ तक देने के कांग्रेसी वादे के बाद भाजपा में *उभरी प्रतिक्रियाएं*

दोनों दलों का *महिला मोर्चा...*

1500 का संघर्ष अब तीन हजार की बराबरी पर आया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में विस चुनाव की आचार संहिता लगने के बाद कांग्रेस की दो बड़ी सभाओं से सियासी सरगर्मी तेज है। अब भाजपा व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भी हमलावर हो गये हैं। दरअसल कल मंडला में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्कूली बच्चों के लिये छात्रवृत्ति योजना का ऐलान किया है, इसका मकसद भी भाजपा की महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं की काट पैदा करना है, क्योंकि इससे कांग्रेस करीब पौने तीन करोड़ महिलाओं तक सीधी पहुंच बना सकती है। कांग्रेस की इस घोषणा से 1500 बनाम 1500 वाला सियासी संघर्ष नये तेवर में सामने आ गया है। वहीं भाजपा के खेमे में नये सिरे से 'महिला मोर्चे' पर तैयारी की जरूरत आ गई है।

दरअसल कांग्रेस ने सरकार बनने पर महिलाओं को 15 सौ रूपये प्रतिमाह देने का ऐलान किया था। जबकि भाजपा ने 1000 रू प्रतिमाह की योजना शुरू कर दी तथा इसे 1250 तक लाने के बाद तीन हजार तक ले वादा परोस दिया। अब प्रियंका गांधी ने सरकार बनने पर स्कूली बच्चों को 1500 रूपये तक प्रतिमाह देने का ऐलान करके अपनी योजना को प्रकारांतर से 3000 रूपए तक पहुंचा दिया है। कांग्रेस पांच सौ रूपये में गैस सिलेंडर व सस्ती बिजली का वादा भी तीन महीने पहले कर चुकी है। दूसरी तरफ भाजपा ने साढे चार सौ रू में उज्जवला योजना के महिलाओं को साढे चार सौ में गैस सिलेंडर देने पर हाल में अमल शुरू किया है। इस तरह अपनी दो बड़ी योजना के जरिये भाजपा पौने तीन करोड़ महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाने के जिस रास्ते पर आगे बढ गई थी, उस पर कांग्रेस ने फिर बराबरी कर ली है।

शिवराज बोले

उनके वचन पहले भी अधूरे, अब गांधी परिवार से ठगी

मुख्यमंत्री ने आज कहा कि 'पहले तो कमलनाथ ने राहुल गांधी से किसानों के कर्ज को लेकर झूठ बुलवाया गया और अब प्रियंका से बच्चों को निशुल्क पढ़ाई का झूठ सार्वजनिक सभा में बुलवा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने वचन पत्र के वचन ही पूरे नहीं किये थे। जिसमें स्कूली बच्चों को निशुल्क गणवेश, अन्य पाठ्य सामग्री और साइकिल देने का किया था। लेकिन लैपटॉप भी छीना और मेधावी विद्यार्थी योजना के सारे वचन धरे रह गए।' शिवराज ने यह भी कहा कि अब गांधी परिवार को कमलनाथ ठग रहे है। पीएम आवास योजना में गरीबों को घर के लिए भी कांग्रेस ने राज्य का फंड नहीं दिया था। वहीं मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी कहा कि कमलनाथ ने झूठ बुवाया है।

कमलनाथ बोले

शून्य हो गया भाजपा का शिखर, तिस पर विरोधाभास

उधर कमलनाथ ने भी शिवराज पर पलटवार किया और कहा कि भाजपा की की कथनी-करनी में सिर्फ़ फ़र्क़ नहीं बल्कि विरोधाभास भी है।मप्र भाजपा कहती है असंभव को संभव और शून्य को शिखर बनाने का नाम 'भाजपा' है। जबकि हालात विपरीत हैं। 18 साल के शासनकाल में यदि भाजपा चाहती तो मप्र के विकास को 'संभव' कर सकती थी लेकिन भ्रष्टाचार की लिप्सा में व्यस्त रहने की वजह से भाजपा के लिए ऐसा करना असंभव रहा। इसीलिए भाजपा ने हालातों को भाँपते और जनता के आक्रोश को समझते हुए अपने 'शिखर' नेतृत्व को इस चुनाव में 'शून्य' कर दिया है। मुख्यमंत्री के मंच पर उपस्थित होते हुए भी किसी को उनका नाम लेने तक की याद नहीं आती, उनके काम की बात करना तो बहुत दूर की बात है। तो फिर ऐसा तथाकथित शिखर किस काम का जो दिखाई न दे।

किशोर से दूर रहे नेता, फैंस ने दूध -जलेबी का भोग लगाया

खंडवा। हरफनमौला गायक व अभिनेता किशोरकुमार की पुण्यतिथि पर आज यहां उनकी समाधि फूलों से महक उठी। यहां किशोरदा के प्रशंसक उन्हें स्वरांजलि के साथ ही पुष्पांजलि देने पहुंचे। हालांकि चुनावी आचार संहिता के चलते समाधि स्थल पर हर वर्ष की तरह मंचीय कार्यक्रम नहीं हो रहा है। लिहाजा किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर आचार संहिता का साया नजर आया। आचार संहिता के कारण आयोजन से राजनीतिक लोगों ने दूरी बनाकर रखी। विधायक, महापौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि किशोर कुमार को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंचे। समाधि स्थल पर वाद्ययंत्रों पर गीतों की प्रस्तुति नहीं हुई। मगर समाधि स्थल फूलों से सजा और किशोर की प्रिय दूध-जलेबी का भोग भी लगा। आयोजन स्थल पर नगर निगम और किशोर सांस्कृतिक प्रेरणा मंच के संयुक्त तत्वावधान में मंचीय कार्यक्रम रखा गया। यहां राजकोट, परतवाड़ा, नासिक, भुसावल, नागपुर सहित खंडवा के गायकों ने गीतों की प्रस्तुति दी। समाधि स्थल पर किशोर प्रेमी पंढरीनाथ पटेल की पुस्तक का विमोचन भी हुआ। ये पुस्तक उन्होंने किशोर कुमार की जीवन यात्रा पर लिखी है।

पीएफआई विवाद पर बोले दिग्विजय- मैंने समर्थन नहीं किया

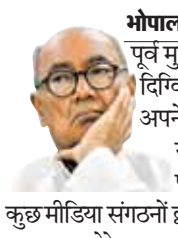

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने पीएफआई संबंधी बयान पर कहा है कि कुछ मीडिया संगठनों द्वारा पूछे गए सवाल पर मेरे जवाब को ग़लत तरीक़े से कोट किया जा रहा है। जो कि मैंने नहीं कहा है। सिंह ने कहा कि सांप्रदायिकता भड़कानेवाले संगठन पीएफआई का मैंने कभी समर्थन नहीं किया है। मैं धर्म के नाम से सांप्रदायिकता फैलानेवाले व्यक्ति या संगठन के खिलाफ हूँ और सदैव रहूँगा।

उल्लेखनीय है कि सिंह पर भाजपा नेता हमलावार थे और पीएफआई को लेकर उन पर कई आरोप भी लगाए जा रहे थे। सिंह ने उज्जैन में यह कहा था कि पीएफआई पर यदि इस प्रकार का आरोप है तो दस छापे मारिये, हमें आपत्ति नहीं है लेकिन देखने में आ रहा है कि जितनी छापेमारी हुई उसमें 97 फीसदी झूठे पाए गए हैं।

सरताज की याद में नर्मदा का आंवली घाट विकसित होगा

भोपाल दोपहर मेट्रो। आज सुबह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व केंद्रीय और मप्र सरकार में भी मंत्री रहे सरताज सिंह के भोपाल स्थित आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरताज सिंह ने जातिवाद से ऊपर उठकर अपनी पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री की स्मृति में नर्मदापुरम के आंवली घाट को पूरी तरह विकसित कराने की घोषणा की। ज्ञात हो कि सरताज सिंह का कल यहां अस्पताल में निधन हुआ था। आज इटारसी में उनका अंतिम संस्कार होगा।

बेंगलुरू के फ्लैट में 21 कार्टन में भरा कैश मिला

बेंगलुरु एजेंसी। बीती देर रात आयकर विभाग की छापेमारी में एक फ्लैट से करोड़ों की रकम जब्त की गई है. आयकर विभाग ने पूर्व कांग्रेस पार्षद के आवास और उनके रिश्तेदारों के फ्लैट पर छापा मारा। आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा यह छापेमारी आरटी नगर में दो जगहों पर की गई। पूर्व पार्षद अश्वत्थम्मा के एक रिश्तेदार के फ्लैट से इन पैसों की बरामदगी हुई है.। घर में कार्टन बक्सों में पैक मिले करोड़ों रुपये को अब आयकर विभाग के अधिकारियों ने जब्त कर लिये हैं। गुरुवार को संदिग्ध कर चोरी को लेकर बेंगलुरु में कई जगहों पर छापेमारी की थी और इसी दौरान यह कैश बरामद हुआ है।

आरपार का वक्त

24 घंटे में गाजा पट्टी छोड़ने का अल्टीमेटम, दिल्ली तक अलर्ट

तेल अवीव, एजेंसी।

इजरायल और हमास के बीच आज का दिन अहम माना जा रहा है। दरअसल आज शुक्रवार को दुनियाभर में जुमे की नमाज होगी। हमास ने आज फिर इजरायल पर बड़ा हमला करने की धमकी दी है। उत्तरी गाजा पट्टी को लेकर इजरायल की सेना ने संयुक्त राष्ट्र से संपर्क साधा व कहा कि उत्तरी गाजा पट्टी में रह रहे लोग 24 घंटों के भीतर सुरक्षित स्थानों चले जाएं। पट्टी से सटे इजरायल के शहरों में सेना तैनात है। किसी भी वक्त बड़ा ग्राउंड ऑपरेशन शुरू हो सकता है इसके चलते दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। आशंका है कि जुमे की नमाज के बाद कुछ लोग फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर सकते हैं।

पिकअप को ट्रक ने मारी टक्कर, पांच मौत

सोनीपत , एजेंसी।

कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर खरखौदा क्षेत्र के गांव पिपली के पास खड़ी महिंद्रा पिकअप गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप चालक समेत उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। वह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर व हरदोई से पिकअप में सवार होकर झज्जर के गांव रैया आ रहे थे। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायलों को खरखौदा के फिरोजपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया, जहां से उन्हें रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।बताते हैं कि झज्जर के गांव रैया का रहने वाला विजय कुमार अपनी पिकअप गाड़ी लेकर उत्तर प्रदेश गए थे। वहां से वह धान काटने के लिए मजदूरों को लेकर लौट रहे थे। यूपी के जिला लखीमपुर व हरदोई से 26 मजदूर पिकअप में सवार होकर रैया के लिए चले थे। शुक्रवार सुबह जब उनकी गाड़ी गांव पिपली के पास पहुंची तो चालक ने गाड़ी रोक दी। इस दौरान कुछ श्रमिक लघुशंका के लिए चले गए। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रक ने गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे के बाद पटरी सुधरी नहीं, रेल यातायात चालू

पटना एजेसी। दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और पटना रेलखंड पर बक्सर के रघुनाथपुर के पास जिस ट्रैक पर बुधवार रात नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस बेपटरी हो गई थी, उस ट्रैक की मरम्मत अब तक नहीं हो पाई है। जबकि अप लाइन बन चुकी है इसमें परिचालन भी शुरू हो गया है। रेलवे की ओर से कहा गया है कि दानापुर मंडल के रघुनाथपुर में पुनर्बहाली कार्य करते हुए आज सुबह अप लाइन को परिचालन हेतु फिट कर दिया गया है। 13209 पटना-डीडीयू एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग के बदले अब अपने नियमित मार्ग से जाएगी। रेलवे का कहना है कि डाउन लाइन पर पुनर्बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ज्ञात हो कि दुर्घटना में सौ से ज्यादा मुसाफिर घायल हो गये थे और चार की मौत हो गई थी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

इजराइल को मिले तीन लाख नए *नागरिक सैनिक*

वहां हर व्यक्ति सैनिक, पूर्व पीएम से लेकर मॉडल और अभिनेता तक लड़ रहे युध्द

नई दिल्ली , एजेंसी।

हमास के खिलाफ बीते सात दिन से भीषण तेवर दिखा रहा इजरायल का हर नागरिक सैनिक की तरह मुस्तैद है। मुश्किल समय में इजरायल के नागरिक बड़ी ढाल बनकर देश सेवा का जज्बा दिखा रहे हैं। इजरायल में रहने वालों से लेकर विदेश में काम करने वाले भी सेना जॉइन करने के लिए वापस लौट रहे हैं। इनमें नेता, अभिनेता से लेकर हर नागरिक देश के लिये समर्पित है। एथेंस से न्यूयॉर्क तक... इजराइल के लोग एयरपोर्ट की तरफ भाग रहे हैं ताकि देश लौटें। खुद पीएम के 19 वर्षीय बेटे को भी युध्द में भेजा गया है।

हमास के आतंकियों ने इजरायल में घुसपैठ करके सैकड़ों नागरिकों की निर्मम हत्या की थी बड़ी संख्या में लोगों को बंधक बना लिया था। हमास की बर्बरता

से नाराज इजरायल ने युद्ध का ऐलान कर लड़ रहा है। इसी के बाद इजरायल में सेना जॉइन करने के लिए युवाओं की कतार है। इजरायल सरकार ने वॉर को लेकर कैबिनेट तक गठित की है। ये कैबिनेट पूरे युद्ध के दरम्यान फैसले लेगी। अभी तक 3 लाख से ज्यादा रिजर्व सैनिकों ने इजरायली सेना को जॉइन कर लिया है। इनमें एक नाम पूर्व पीएम नफ्ताली बेनेट का भी है. उन्होंने हमास के खिलाफ हथियार उठा लिए है। रिजर्व ड्यूटी पर पहुंचते ही नेफ्ताली बेनेट को इजरायली सैनिकों से हाथ मिलाते देखा गया है। नफ्ताली बेनेट इजरायल डिफेंस फोर्सेज की एलीट कमांडो यूनिट सायरेट मटकल और मगलन के कमांडो रह चुके हैं। उनके सेना में फिर से शामिल होने से देश में पॉजिटिव संदेश गया है। इससे पहले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू खुद इजरायली सेना में कमांडो रह चुके हैं। उनके भाई जोनाथन नेतन्याहू ने ऑपरेशन थंडरबोल्ट के दौरान युगांडा की राजधानी एन्तेबे में बंधक बनाए गए इजरायली लोगों को रिहा करवाया था. हालांकि, इस ऑपरेशन में जोनाथन की मौत हो गई थी।

नतालिया भी आर्मी में

एक नाम मॉडल नतालिया फादेव का है। उन्होंने हमास के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए सेना जॉइन कर ली है। नतालिया फादेव एक जानी-मानी ओनलीफैन्स मॉडल हैं जो अक्सर अपने इंस्टाग्राम पर एक युद्ध सैनिक के रूप में तस्वीरें पोस्ट करती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नतालिया, इजराइल रक्षाबल की अपील पर सेना में शामिल हुई हैं। एक हफ्ते पहले तक नतालिया खुद की कम कपड़े पहने हुए तस्वीरें शेयर करती थीं। नतालिया ने दावा किया, मानवता के लिए योगदान करना उनके लिए गर्व की बात है. हमें उन्हें (गाजा के लड़ाके) मिटाना होगा, नष्ट करना होगा।

भोपाल की समरधा रेंज में अमौनी गांव के पास की घटना

गर्मी शुरू हुई नहीं, उसके पहले जंगल से बाहर आ रहे बाघ-तेंदुए, 1 की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अभी –अभी बारिश का दौर खत्म हुआ है। ठीक से धूप भी नहीं पड़ रही है। ठंड का सीजन आने वाला है, उसके पहले धूप तीखी लग रही है। इसी से जंगल के भीतर वन्यप्राणी परेशान हो रहे हैं। कभी बंदरों का झुंड बाहर आ रहा है तो कभी बाघ, तेंदुए शहर के आसपास देखे जा रहे हैं। हाल ही में शहर के नजदीक एक तेंदुए की धमाचौकड़ी कावीडियो सामने आया था, उसके बाद मादा तेंदुए भी जंगल से बाहर निकलकर ट्रैक पार कर दूसरी ओर जाने का प्रयास कर रही थी जो ट्रेन की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई हैं।

यह घटना बुधवार–गुरुवार रात की है, जो गुरुवार भोपाल वन मंडल की समरधा रेंज के अमोनी गांव के नजदीक रेलवे ट्रैक की है। इस घटना में अकेले तेंदुए की ही मौत नहीं हुई है, बल्कि उसके पेट में पल रहे एक शावक की भी मौत हो गई हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत की यह आठवी घटना

ट्रेन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत की यह पहली घटना नहीं है, बल्कि इसके पहले भी भोपाल से इटारसी के बीच पड़ने वाले बुधनी व बरखेड़ा के जंगल से गुजरने वाले ट्रैक पर सात तेंदुए जान गंवा चुके हैं।ये सभी घटनाएं बीते 12 वर्ष में हुई है जो प्रकाश में आई हैं। हो सकता है इनके अलावा भी तेंदुए के ट्रेन की चपेट में आकर मारे जाने की घटनाएं हुई हो, लेकिन वे सामने नहीं आई हैं।

ट्रेन की चपेट में आने की वजह

- रेलवे ट्रैक जंगलों के बीच से होकर गुजरता है। वन्यप्राणी ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आते हैं।
- गर्मी के दिनों में इसकी वजह जंगलों में पर्याप्त पानी व शिकार का इंतजाम नहीं होना है, जिसके चलते वन्यप्राणी एक से दूसरी ओर भागते हैं।
- ट्रैक के किनारे बाउंड्रीवाल, तार फेंसिंग नहीं होने और ट्रैक के नीचे से निकलने वाले मार्गों की संख्या कम होना भी मुख्य वजह है।

घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग का दावा

रेलवे ट्रैक् को कवर्ड करवा रहे हैं। जंगल के भीतर अधिक से अधिक सुरंगें बनवाई जा रही हैं, नए ट्रैक के लिए इसे लागू किया है। पुराने ट्रैक को तार— फेंसिंग से कवर्ड करेंगे। निगरानी बढ़ा दी गई है।

बाघों की भी मौत

जिन बाघों को बचाने के लिए मप्र पूरी ताकत लगा रहा है, उसी मप्र में बाघ ट्रेनों की चपेट में आकर दम तोड़ रहे हैं। फिलहाल तो ऐसी घटनाएं नहीं हुई है लेकिन आगे इन संभावित घटनाओं से इंकार भी नहीं किया जा सकता।

मप्र में ट्रेनों की चपेट में आकर बाघों की मौत की अब तक जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उनमें सबसे अधिक बरखेड़ा व बुधनी के जंगल से गुजरने वाले रेलवे ट्रैक पर ही हुई है।

राष्ट्रीय विधि संस्थान विवि

विधि विद्यार्थियों ने किया मानव अधिकार आयोग का भ्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआईयू) भोपाल के विधि स्नातक विद्यार्थियों द्वारा मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल का अध्ययन भ्रमण गुरुवार, 12 अक्टूबर, 2023 को किया गया। विद्यार्थियों के 30-30 के दो समूहों ने मानव अधिकार आयोग कार्यालय का भ्रमण किया एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। आयोग के सभाकक्ष में विद्यार्थियों का परिचय हुआ। इसके बाद आयोग के गठन एवं कार्यप्रणाली के सम्बन्ध मे शोध अधिकारी संजय विश्वकर्मा द्वारा जानकारी दी गई। आयोग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री बी.बी. शर्मा, उपसचिव आशीष श्रीवास्तव द्वारा मानव अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। आयोग में पदस्थ पुलिस अधीक्षक एम.एल. चौरसिया, उप पुलिस अधीक्षक राजेश गुरु एवं सुनील कुमार लाटा द्वारा प्रोजेक्टर पर पुलिस की कार्यप्रणाली के संबंध मे डिमॉन्स्ट्रेशन दिया गया। ए.डी.जी. शर्मा द्वारा विभिन्न केसेस के माध्यम से एफआईआर, गिरफ्तारी, अभिरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई।

राजधानी के आसपास संपत्ति विरूपण की कार्रवाई सुस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आचार संहिता लागू होने के बाद प्रशासन ने संपत्ति विरूपण की कार्रवाई तेजी से शुरू की है, लेकिन राजधानी के आसपास इसका असर नहीं दिखाई दे रहा है।

नगर निगम का अमला अब तक 831 स्थानों से संपत्ति विरूपित करने की कार्रवाई कर चुका है, लेकिन शहर के सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्रवाई अब भी सुस्त है। यहां घरों, ओवरब्रिज की दीवारों सहित अन्य जगहों पर राजनीतिक दलों के प्रचार संबंधी लेखन मौजूद है, जिसे पोतने की कार्रवाई अब तक नहीं की गई है।

बता दें कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने आचार संहिता लागू होने के बाद 72 घंटे में फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर, बोर्ड आदि हटाने और साथ ही दीवार लेखन पर पुताई करने के निर्देश दिए थे।

वाहनों की चेकिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर अचार संहिता के चलते पॉलिटेक्निक चौराहे पर पुलिस ने वाहनों की चेकिंग की।

स्मार्ट सिटी क्षेत्र में आबादी के बीच शानू ने खोल रखा था आग का गोदाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटीनगर माता मंदिर के स्मार्ट सिटी क्षेत्र में शानू खान नामक बदमाश ने अवैध रूप से आग का गोदाम खोल रहा था। वह अवैध रिफलिंग सेंटर चलाता था और सिलेंडरों में गैस भरकर पूरे भोपाल में सप्लाई देता था। बड़ी लापरवाही यह थी कि गोदाम में गैस रिफलिंग करने के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसकी भनक आसपास के लोगों को लगी तो उन्होंने वरिष्ठ स्तर पर शिकायत की, तब जाकर बूझे हुए मन से अधिकारियों ने बुधवार कार्यवाही की है।

सबसे गंभीर अनदेखी यह हो रही थी कि आबादी में चल रहे इस आग के गोदाम के बारे में क्षेत्र की पुलिस, निगम के अधिकारी और जिला प्रशासन के लोगों को सबकुछ पता था लेकिन गोदाम चलाने वाले से सबकी सांठगांठ थी। पूरे क्षेत्र में चर्चा है कि वह कुछ अधिकारियों के काम आता था। इसी लालच में जिम्मेदारों ने क्षेत्र के लोगों की जान के साथ लगातार खिलवाड़ किया।

पूर्व में भी आग का गोदाम चलाने वाले के खिलाफ कार्यवाही की गई है लेकिन वह खानापूर्ति बनकर रह गई थी, जिसके बाद से उसके हौंसले और बुलंद थे।

पुलिस, निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी चुप्पी साधे रहे

शिकायत हुई तब कार्यवाही की, लेकिन मुख्य मास्टरमाइंड को फिर भी नहीं पकड़ा

मामला अवैध रूप से गैस रिफलिंग गोदाम चलाने का

खंडहर में खोला था आग का गोदाम

अधिकारियों के मुताबिक प्लेटिनम प्लाजा के सामने स्मार्ट सिटी क्षेत्र में खंडहर है, जो कि पुराने शासकीय आवास है। इन्हीं में अवैध गैस रिफिलिंग गोदाम चल रहा था जहां से 4 लोडिंग आटो, एक मारूति वेन, एक बोलेरो पिकअप, 54 भरे घरेलू गैस सिलेंडर, 37 खाली घरेलू गैस सिलेंडर, चार आंशिक भरे गैस सिलेंडर, तीन इलेक्ट्रोनिक तौल कांटे और तीन इलेक्ट्रोनिक गैस अंतरण मशीनें मिली थी। मजदूर आदर्श त्रिवेदी एवं अंसार बताया था कि वह शान खान का काम करते हैं लेकिन मौके पर शानू नहीं था। आदर्श एवं अंसार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण बनाया है। पूर्व में उसके खिलाफ 3 बार कार्यवाही हो चुकी है।

कलतारी के निधन पर सांसद ने श्रद्धांजलि दी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय श्री सुंदर कलतारी के निधन पर गुरूवार को सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कलतारी निवास आहूजा कॉलोनी बैरागढ़ कला में पहुंचकर परिवार को सांत्वना दी। उनके साथ में बैरागढ़ सांसद प्रतिनिधि दिनेश मिश्रा, वीरेन जैन, राजेश कटिहा,र नीतीश मिश्रा, सहित कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।

आदित्य स्वामी अभाविप के बैरागढ़ प्रमुख बने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भोपाल बैरागढ़ भाग का आदित्य स्वामी को प्रमुख बनाया गया है। यह जानकारी वीर सावरकर युवा मंच के अध्यक्ष वीरा स्वामी ने यह जानकारी दी है। आदित्य स्वामी ने कहा है कि जो जिम्मेदारी मुझे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से दी गई है मैं उसको बखूबी निभाऊंगा और एबीवीपी का कार्य संत नगर के सभी विद्यालय में युवाओं को जोड़कर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को आगे बढ़ाऊंगा। स्वामी को जिम्मेदारी मिलने पर परिषद से जुड़े युवाओं ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में विष्णु गौड़, मनीष श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, अजीत रामनवमी, संतोष नाथ, भगवान सिंह ठाकुर, भारत मेहरा, नितिन श्रीवास्तव हैं।

मेट्रो एंकर | भोपाल के कुल 18 महाविद्यालयों ने भाग लिया

वाद विवाद में संत कॉलेज की प्रिंसी रहीं पहले नंबर पर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्रा प्रिन्सी पहलवानी ने रोटरी क्लब द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का विषय था 'क्या समान नागरिक संहिता को तत्काल लागू करना समय की मांग हैं ? हां या नहीं' इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करना गौरव का विषय था क्योंकि इसमें भोपाल के कुल 18 महाविद्यालयों ने भाग लिया था, सभी प्रतिभागी अपने महाविद्यालय के उत्कृष्ट वक्ता थे।

पहलवानी ने पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अपनी वक्तृत्व कला, ज्ञान और विषय की गहरी समझ को प्रदर्शित किया। बता दे पहलवानी महाविद्यालय को अनेक प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय मंचों पर विजय दिलवा चुकीं हैं। उन्हें व महाविद्यालय की अन्य वक्ता अवनि शर्मा को रोटरी क्लब एक प्रतिष्ठित अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहा हैं। जहां ये छात्राएं वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। डॉ. डालिमा पारवानी, प्राचार्य, संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय ने लिटरेरी कमेटी की संयोजक डॉ. नेहा गुप्ता एवं दोनों छात्राओं की उपलब्धि की प्रशंसा की है। महाविद्यालय प्रबंधन ने प्रिन्सी पहलवानी एवं अवनि शर्मा को बधाई दी है।

सिंधी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव में प्रशिक्षण, बांट रहे रोज अवार्ड

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव के लिए बीते 20 दिनों में गरबा का प्रशिक्षण दिए जा रहा है, जिसका अवलोकन करने रोज गणमान्य नागरिक आ रहे हैं ओर अवार्ड दे रहे है। महोत्सव का आयोजन सिंधी मेला समिति कर रही है।

संतनगर में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्र में मुख्य भूमिका किरण वाधवानी ओर राजेश पेसवानी निभा रहे हैं, यहां तीन बेच में गरबा सिखाया जा रहा है। संस्था अध्यक्ष मनीष दरयानी के साथ हरीश नागदेव, सुनील मंगवानी अवलोकन करने पहुंचे वासुदेव वाधवानी, दिलीप मंगतानी, राजेश बेलानी तथा कथा वाचक मुकेश महाराज, हीरो वासवानी के साथ पहुंचे और अवार्ड दिए सारे अवार्ड्स लायन्स क्लब भोपाल मन्नत द्वारा यास्मीन कोसर के सहयोग से दिए गए। सरकारी गर्ल्स स्कूल की पूर्व प्राचार्य यास्मीन कौसर ने 60 उपहार देकर स्टूडेंटस जजस सेंटर इंचार्ज ओर ट्रेनर्स का मनोबल ब?ाया। उपहार का निर्णय योगिता, लोकेश वाधवानी ने किया। प्राइजस में सभी को शील्ड दी गयी। यहां नानक दादलानी, किरण रुघवानी, लता लालवानी, माया बागवानी, धीरज हरनानी और जितेश दीनानी भी सेवाएं दे रहे हैं।

मोबाइल में सी-विजिल एप खोलकर कर सकते हैं शिकायत

शिकायत वाजिब तो 100 मिनट के अंदर सुनेगा आयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी वाजिब शिकायतों को चुनाव आयोग 100 मिनट के अंदर सुनेगा। इसी अवधि में कार्यवाही भी शुरू हो जाएगी। यह शिकायत मोबाइल के जरिए की जा सकती है इसके लिए सी-विजिल एप डाउन लोड करना होगा। शिकायत से जुड़े फोटो 20 मीटर के अंदर से खींचकर उन्हें 5 मिनट में अपलोड करने होंगे।

मप्र में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 17 नवंबर को किया जाना है और परिणाम तीन दिसंबर को घोषित होंगे। कलेक्टर ने धारा 144 के तहत सख्ती बरतना शुरू कर दिया है।

चुनाव से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि एप का उपयोग करने के लिए किसी भी नागरिक को सबसे पहले अपने एंड्रायड मोबाइल के प्ले स्टोर या एप्पल मोबाइल के एप स्टोर पर जाकर डाउनलोड करना होगा। आयोग ने निर्वाचन संबंधी शिकायतों को दर्ज कर उन पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल (cVIGIL) मोबाइल एप को तैयार कराया है। इस एप के माध्यम से कोई भी नागरिक निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन संबंधी किसी भी घटना का फोटो-वीडियो तैयार कर अपनी शिकायत भेज सकता है।

एप के माध्यम से शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत सर्वप्रथम जिला शिकायत कंट्रोलर (डीसीसी) के पास जाएगी। इसके बाद जिला शिकायत कंट्रोलर द्वारा यह शिकायत प्रारंभिक जांच उपरांत सही होने पर एफएसटी (फ्लांइंग स्क्वाड टीम) के पास भेजी जाएगी। जांच टीम द्वारा शिकायत की जांच कर कार्रवाई करने के उपरांत यथा-स्थिति का प्रतिवेदन निराकरण अधिकारी को भेजा जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांच प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश का प्रतिवेदन संबंधित जांच टीम एफएसटी एवं जिला शिकायत कंट्रोलर को प्राप्त होगा।

मोबाइल स्रोत सलाहकारों को राहत

अब सीधे खाते में पहुंचेंगे ग्रांट के 2 हजार रुपए, आदेश जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत सभी मोबाइल स्रोत सलाहकारों को टीएलएम ग्रांट की राशि उनके बैंक खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर की जाएगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आदेश जारी किए गए है।

दरअसल, इसके पूर्व जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र के माध्यम से यह राशि दी जाती थी, लेकिन इस मामले में लगातार शिकायतें मिल रही थी। राज्य शिक्षा केंद्र के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान के नियंत्रक डॉ. आरएस तिवारी ने सभी जिला परियोजना समन्वयक को 12 अक्टूबर को एक पत्र लिखकर आदेशित किया है कि समग्र शिक्षा अभियान की वार्षिक कार्ययोजना 2023-24 में प्राप्त स्वीकृति के अनुक्रम में कार्यरत समस्त मोबाइल स्रोत सलाहकारों को टीएलएम ग्रांट की राशि 2000 रुपए प्रति सलाहकार के मान से उनके बैंक खाते में जारी करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में अधिकांश जिलों द्वारा एमआरसी के खाते में राशि जारी नहीं की है। इसी अनुक्रम में यह निर्णय लिया गया है कि अब यह राशि राज्य शिक्षा केन्द्र स्तर से संबंधितों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जाएगी।

अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान हुआ न वेतन बढ़ा

फाइल फोटो

स्थाई व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नहीं हुई सुनवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्थाई व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की आखिरकार सुनवाई नहीं हुई। ये कर्मचारी वेतन बढ़ाने और अनुकंपा नियुक्ति के प्रावधान करने जैसी मांगों को लेकर प्रयास कर रहे थे कई बार सड़कों पर भी उतर चुके थे लेकिन अंतत- कोई हल नहीं निकला।

मप्र कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे और स्थाई कर्मी कर्मचारी कल्याण के शारदा सिंह परिहार जैसे कई कर्मचारी नेता अपनी मांगों को मनवाने और राहत दिलाने के लिए जुटे रहे लेकिन सफलता नहीं मिली।

प्रदेश में इनकी संख्या करीब 40 हजार से अधिक है। ये लगभग सभी विभागों में सेवाएं दे रहे हैं। काम ये नियमित की तरह कर रहे हैं लेकिन वास्तव में इन्हें नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधा मिल पा रही है और न ही वेतन, भत्ता।

शासन में बैठे अधिकारियों ने इन्हें कुशल, अकुशल और अर्द्धकुशल में बांटकर रखा है, इसी अनुरूप इनका वेतन मिलता है जो कि 9 से 16 हजार रुपये तक है। इनमें से किसी कर्मचारी का निधन होने की स्थिति में उनके परिवार के लोगों को अनुकंपा नियुक्ति देने तक का प्रावधान शासन नहीं कर पाया है। यही इन्हीं नाराजगी की मुख्य वजह में से एक है। ये छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जूझ रहे हैं।

नाराजगी की बढ़ी वजह

आचार संहिता लगने के पूर्व तक सरकार ने अलग-अलग संवर्ग के कर्मचारियों व अधिकारियों के पक्ष में महापंचायतें बुलाई थीं। तब इन कर्मचारियों का कहना था कि उनकी भी महापंचायत बुलाई जाए और उन्हें भी सुना जाए। इसके लिए इन कर्मचारियों व इनके प्रतिनिधियों ने कई स्तर पर प्रयास किए थे। तब ये अलग-अलग मंत्रियों के पास तक गए थे लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

कोर्ट की शरण में

इनमें से हजारों दैनिक वेतन भोगी और स्थाई कर्मी वर्तमान में कोर्ट की शरण में है। इनमें से कुछ तो वेतन कम होने और शासकीय कर्मचारी की तरह लाभ नहीं देने व सैंकड़ों अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर गए हैं।

चुनावी सभा को संबोधित किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल की हुजूर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया।

मप्र में भ्रष्टाचार का चेहरा नाथ, बंटाधार दिग्विजय: शिवराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भोपाल की हुजूर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। सीएम चौहान ने कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के सवा साल की सरकार पर सवाल खड़े किए। वहीं कमलनाथ पर प्रदेश को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी को जिस प्रदेश ने मुख्यमंत्री और सांसद बनाया उसी प्रदेश को वह बदनाम करते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में अगर भ्रष्टाचार का कोई चेहरा है तो वह चेहरा कमलनाथ जी का है सवा साल के कार्यकाल में कमलनाथ ने भ्रष्टाचार के रिकार्ड बनाए है तो वहीं मध्यप्रदेश में बंटाढार का कोई चेहरा है तो वह दिग्विजय सिंह का चेहरा है। मध्य प्रदेश की जनता ये बहुत अच्छे से जानती है।

7 राजनीतिक पार्टियों को मिले चिन्ह, प्रत्याशी उतारने की अनुमति भी

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा में भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों की तरह कुछ नई पार्टियों को भी सिंबल जारी कर दिया गया है। करीब 7 राजनीतिक दलों को 230 सीटों पर प्रत्याशियों को उतारने की अनुमति भी दी गई है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

भारतीय सभ्यता पार्टी को कैंची, भारतीय क्रांति संघ पार्टी को बांसुरी, इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी को गुब्बारा, राष्ट्रीय नवजागरण पार्टी को फाउंटेन, महाकौशल राष्ट्रीय पार्टी को ग्लास, भारतीय आदिवासी पार्टी को ऑटो-रिक्शा का चुनाव चिन्ह चुनाव आयोग की तरफ से जारी किया गया है। सभी को निर्देश दिए गए हैं कि विधानसभा चुनाव तक ही पार्टी चुनाव में शामिल हो सकेगी। मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भी पार्टियों को सिंबल जारी किया गया है।

एक लाख से अधिक के लेनदेन पर कलेक्टर को रिपोर्ट देना जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अगस्त सितंबर सहित अगले दो महीने तक बैंकों से ट्रांजेक्शन हुई मोटी रकम की रिपोर्ट बैंकर्स को कलेक्टरों को देना होगी। बैंकर्स को पिछले दो महीनों में किसी बैंक खाते में असामान्य व संदेहास्पद लेनदेन, एक बैंक खाते से कई व्यक्तियों को राशि का ट्रांजेक्शन आदि की निगरानी करना है।

बैंकर्स की रिपोर्ट के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी इसकी जांच कराएंगे। मतदाताओं को प्रभावित करने की स्थिति सामने आने पर चुनाव आयोग को रिपोर्ट देंगे। यही नहीं, 10 लाख तक की राशि की एक साथ निकासी पर भी फोकस किया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कलेक्टरों को ऐसे मामलों की रिपोर्ट रोजाना भेजने के लिए कहा है। अब चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है, तो बैंकों की बैठक जिला स्तर पर लेकर आयोग की गाइडलाइन के आधार पर रिपोर्ट मांगी जा रही है। इसमें कहा जा रहा है कि संदिग्ध स्थितियों को देखते हुए बैंकों को हर निकासी और जमा राशि की रिपोर्ट तैयार करना है। साथ ही, बैंकों से 50 हजार से अधिक संदिग्ध लेन-देन पर भी निगरानी रखी जाएगी।

मेट्रो एंकर कहा : यह स्थिति अत्यंत आपत्तिजनक, 15 अक्टूबर तक किया जाए बकाया भुगतान

ऑपरेटरों को दो माह बाद भी भुगतान नहीं, डीपीआई ने लगाई फटकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मॉडल एवं प्रोन्नत विद्यालयों में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नियुक्ति करने वाली एजेंसी को समय पर भुगतान नहीं करने पर डीपीआई ने सभी जिलों को फटकार लगाई है।

फाइल फोटो

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक केके द्विवेदी ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा है कि 15 अक्टूबर तक का आउटसोर्स एजेंसी एमपीकॉन का बकाया भुगतान कर दें। इस एजेंसी के माध्यम से ही प्रदेश के मॉडल एवं प्रोन्नत विद्यालयों में डाटा एंट्री ऑपरेटर की नियुक्ति की गई है।

मामले की समीक्षा 16 अक्टूबर को होगी

बता दें कि मानदेय संबंधित राशि दो माह पहले यानी अगस्त में जारी कर दी थी, बावजूद यह राशि दी नहीं गई। जिसके बाद डीपीआई ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उक्त राशि को अब तीन दिनों के अंदर देने के निर्देश दिए हैं। मामले की समीक्षा 16 अक्टूबर को की जाएगी। इसके बाद भी यदि कोई डीईओ लापरवाही बरतता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आदेश में लिखा है कि जिलों से ऑपरेटर्स के मानदेय की राशि संबंधित एजेंसी को समय पर भुगतान नहीं की जा रही है। जबकि अगस्त तक का आवंटन सभी जिलों के पास उपलब्ध है। यह स्थिति अत्यंत आपत्तिजनक है। इसलिए सभी जिलों को निर्देशित किया जाता है कि 15 अक्टूबर तक उपलब्ध राशि अनुसार संबंधित एजेंसी को भुगतान करें।

सुविचार

``आपकी जिन्दगी बहुत ही अनमोल और सुन्दर है, इसे फालतू और बेकार बातों में नहीं गवाएं।''

-अज्ञात

संपादकीय

सुरक्षित सफर का बार-बार टूटता भरोसा

भारतीय रेल हर देशवासी की जिंदगी में शामिल है और बहुत महत्व रखती है। क्योंकि यही सबसे बड़ी परिवहन व्यवस्था है। आज भी सामान्य आयवर्ग के लिए यह सबसे सुविधाजनक साधन है। मगर रेल हादसों, उनमें चोरी, डकैती, महिलाओं के साथ बदसलूकी जैसी घटनाओं पर अंकुश न लग पाने के कारण बहुत सारे लोग इसमें सफर करने से हिचकने भी लगे हैं। खासकर कुछ राज्यों में सफर के दौरान तो यह घबराहट अक्सर देखी जाती है। सरकार हर बजट में रेल को सुरक्षित बनाने का वादा करती है लेकिन नतीजा फिर वही ढाक के तीन पात निकलता है। यह बात बिहार की कल की रेल दुर्घटना से फिर साबित होती है। क्योंकि अभी तो ओड़ीशा के बालासोर में हुए रेल हादसे को लोग भुला भी न पाए थे कि दिल्ली से कामाख्या जा रही नार्थ-ईस्ट एक्सप्रेस बिहार के बक्सर में पटरी से उतर गई। इसमें चार लोगों के मारे जाने और अनेक के घायल होने की पुष्टि हुई है। स्वाभाविक ही इस घटना को लेकर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। गाड़ी की इक्कीस बोगियां पटरी से उतर गईं। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह पटरी में खराबी बताई जा रही है। गनीमत है कि इसमें बालासोर जैसा बड़ा हादसा नहीं हुआ, जिसमें दो गाड़ियां परस्पर टकरा गई थीं। मगर इससे रेलवे को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। हर रेल हादसे के बाद यह एक परिपाटी-सी बन गई है कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजे की घोषणा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को रफादफा करने की कोशिश की जाती है। हर बार रेल सुरक्षा के संकल्प दोहराए जाते हैं और फिर जल्दी ही हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं। अक्सर तर्क दिया जाता है कि रेल लाइनों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता गया है। बहुत सारी रेल लाइनें पुरानी होने की वजह से वे दबाव नहीं झेल पातीं और उनमें खराबी आ जाती है। मगर यह तर्क गले नहीं उतरने वाला। पिछले कुछ वर्षों से रेलगाड़ियों को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के दावे खूब किए जाते हैं। रेल किराए में पिछले कुछ वर्षों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। कहा जाता है कि रेलों को हवाई सुविधाओं की तरह बनाया जाएगा। मगर जब तक रेल का सफर सुरक्षित नहीं होगा, उसमें चलने वालों में यह भरोसा पैदा नहीं होगा कि वे अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे, तब तक इन दावों का कोई महत्त्व नहीं रह जाता। देखा जाए तो आज जब हर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, रेलों को भी सुरक्षित बनाने के मकसद से टक्करोधी उपकरण लगाने, पटरियों की सुरक्षा के लि ए अत्याधुनिक कंप्यूटरीकृत व्यवस्था विकसित करने की परियोजना शुरू की गई थी। मगर हर कुछ समय पर रेलें पटरी से उतर जा रही हैं, परस्पर टकरा जाती हैं, तो जाहिर है, सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं का गंभीरता से मूल्यांकन करने की बहुत जरूरत है। दुनिया में इतने रेल हादसे कहीं नहीं होते, जितने भारत में होते हैं, जबकि अनेक देशों में हमसे अधिक रफ्तार की गाड़ियां चलती हैं। समझ से परे है कि इतने लंबे समय से रेलों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के वादे किए जा रहे हैं, फिर भी उन देशों से तकनीक लेने की कोशिश क्यों नहीं की जाती। जबकि सरकार विदेशों जैसी ट्रेन चलाने की कोशिश रोज कर रही है। वंदेभारत जैसी तेज रफ्तार ट्रेन रोज लांच हो रही हैं, अब समय आ गया है कि सरकार सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रयत्न करे।

कविता

सकुशल है लाना !

– कृष्णेन्द्र राय

ऑपरेशन शुरू हुआ ।
मदद को तैयार ।।
हो सुरक्षित वापसी ।
मंथन और विचार ।।
कीमती हर नागरिक ।
सकुशल है लाना ।।
करना मिशन पूरा ।
है हमने ये ठाना ।।
हो चाहे अब कुछ भी ।
कदमताल मिलाना ।।
आया है फिर मौक़ा ।
कर के है बताना ।।
दूर देश में कर रहे ।
अपने इंतज़ार ।।
लेकर आना जल्द है ।
है यही उपहार? ।।

आज का इतिहास

- **1713** चार्ल्स मेसरी ने वर्लपूल गैलेक्सी की खोज की।
- **1716** हंगरी के सम्राट कैरेल 6 के सैनिकों ने टेमेसेवर पर कब्जा कर किया।
- **1760** रूस और आस्ट्रिया की सेना जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हटी।
- **1773** चार्ल्स मेसीयर ने व्हर्लपूल गैलेक्सी की खोज की।
- **1773** व्हर्लपूल आकाशगंगा की खोज चार्ल्स मेसियर ने की थी।
- **1807** भूवैज्ञानिक सोसाइटी ऑफ़ लंदन की स्थापना की गई।
- **1857** 1857 का आतंक- न्यूयॉर्क के बैंक करीब 12 दिसंबर तक नहीं खोले गए।
- **1884** आज के दिन तय किया गया कि ग्रीनविच मीन टाइम, दुनिया का मानक समय होगा। ग्रीनविच दक्षिण पूर्वी लंदन का हिस्सा है।
- **1892** छायाचित्र के जरिए पहली बार एडवर्ड एमर्सन बर्नार्ड ने डी-1892 टी1 नामक पुच्छल तारे की खोज की।
- **1895** भारत की क्रिकेट टीम के प्रथम टेस्ट कप्तान सी. के. नायडू का जन्म हुआ।
- **1914** गैरेट मोर्गन ने गैस मास्क की खोज की और उसका पेंटेट कराया।
- **1919** एरियल नेविगेशन ने विनियमन से संबंधित कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए।
- **1923** मुस्तफा कमाल पाशा की सरकार द्वारा इस्तांबुल की जगह अंकारा को तुर्की की नई राजधानी बनाया गया।
- **1933** जीन हार्लो और ली ट्रेसी अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी नाटक फिल्म बॉम्स्हेल को प्रकाशित किया गया।
- **1943** इटली ने जर्मनी के पूर्व मित्र राष्ट्रों के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।
- **1948** सूफ़ी भक्ति संगीत और कव्वाली के प्रसिद्ध गायक नुसरत फ़तेह अली ख़ां का जन्म हुआ।

इस्राइल की परीक्षा : हमास के जाल में उलझे नेतन्याहू को देना होगा परिपक्वता का परिचय

थॉमस एल फ्रीडमैन

सऊदी अरब के साथ इस्राइल के समझौते से नाराज हमास ने सुनियोजित तरीके से बर्बरता को अंजाम दिया, ताकि नेतन्याहू को गाजा में उलझाए रखा जा सके। ऐसे में उन्हें परिपक्वता का परिचय देना होगा। अमेरिका लंबे समय तक इस्राइल को नहीं बचा सकता, जब तक कि वहां लोकतांत्रिक सरकार न हो।

मैं ने लगभग 50 वर्षों तक इस संघर्ष की रिपोर्टिंग की है और इस्राइली एवं फलस्तीनियों को कई भयानक चीजें करते देख चुका हूं। मैं फलस्तीनी आत्मघाती हमलावरों को इस्राइली डिस्को व बसों को उड़ाते और इस्राइली लड़ाकू विमानों को गाजा के उन इलाकों पर हमला करते देख चुका हूं, जहां हमास के लड़ाके रहते हैं, जिससे बड़ी संख्या में बेगुनाह नागरिकों की मौतें भी हुई हैं। लेकिन पिछले सप्ताहांत जो हुआ, वैसा मैंने कभी नहीं देखा- हमास के लड़ाके इस्राइली पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को घेरकर, उनकी आंखों में आंखें डालकर उन्हें गोलियां मार रहे थे। इससे पहले वर्ष 1982 में मैंने बेरुत के साबरा और शतीला शरणार्थी शिविरों में ईसाई लड़ाकों द्वारा फलस्तीनी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार के दौरान ऐसी बर्बरता देखी थी।

हालांकि मुझे यहूदी राज्य के विनाश के प्रति हमास की लंबी तैयारी को लेकर कोई भ्रम नहीं है, फिर भी मैं आज खुद से पूछ रहा हूं कि सामूहिक हत्या के लिए आईएस जैसी यह क्रूरता आखिर कहां से आई? जाहिर है, इसमें कुछ नई बात है, जिसे समझना जरूरी है।

बेशक इस हमले की योजना हमास नेतृत्व ने महीनों पहले बनाई होगी, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी भावनात्मक उत्पत्ति को तीन अक्तूबर को इस्राइली प्रेस में छपी एक तस्वीर से समझाया जा सकता है। इस्राइल सरकार के कुछ मंत्री अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए रियाद (सऊदी अरब) गए थे, जिसे इस्राइली प्रेस में बहुत अधिक कवरेज मिला। लेकिन बेरुत और यरूशलम, दोनों जगह रहने के अपने अनुभवों के आधार पर अखबारों में छपी एक तस्वीर ने मुझे चौंकाया। मुझे पता था कि दोनों दुनिया में पूरी तरह से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होंगी। वह तस्वीर इस्राइल के संचार मंत्री, श्लोमो करही की टीम ने तब ली था, जब वे अपने होटल के कमरे में इबादत कर रहे थे। उनमें से एक ने इबादत के दौरान अपने एक

सहकर्मी की फोटो ली, जो पारंपरिक यहूदी शॉल और यरमुलके टोपी में थे। उनके हाथ में पवित्र धर्मग्रंथ था, जबकि पृष्ठभूमि में खिड़की से बाहर रियाद का क्षितिज दिख रहा था।

इस्राइली यहूदियों के लिए वह तस्वीर एक सपने के सच होने की तरह है। इस्लाम के जन्म स्थान और इसके दो सबसे पवित्र शहरों, मक्का और मदीना वाले मुल्क सऊदी अरब में पवित्र धर्मग्रंथ के साथ इबादत करना वह स्वीकार्यता है, जो हर इस्राइली यहूदी के मर्म को छूती है। लेकिन वही तस्वीर बहुत से फलस्तीनियों में एक तीव्र भावनात्मक क्रोध को प्रज्वलित करती है, विशेष रूप से हमास और फलस्तीनी इस्लामी जिहाद सहित इस्लामी मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े लोगों में। उनके लिए यह तस्वीर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सर्वोच्च लक्ष्य की पूर्ण अभिव्यक्ति है-अपने विरोधियों को यह साबित करके दिखाना कि वह सभी अरब देशों, खासकर सऊदी अरब के साथ शांति समझौता कर सकते हैं, लेकिन फलस्तीनियों को एक इंच जमीन नहीं देंगे।मुझे नहीं मालूम कि हमास नेतृत्व ने वह खास तस्वीर देखी या नहीं, लेकिन यह हमला दिखाता है कि वह इस घटनाक्रम से पूरी तरह वाकिफ है। मेरा मानना है कि हमास ने न केवल इस हमले को शुरू किया, बल्कि इसे यथासंभव विनाशकारी बनाने का आदेश भी दिया। उसकी मंशा इस्राइल को भड़काने की थी, ताकि वह गाजा पट्टी पर हमला करे, जिससे बड़े पैमाने पर फलस्तीनी नागरिक हताहत हों। और इस तरह सऊदी अरब को रियाद और यहूदी राज्य के बीच रिश्ते सामान्य करने के लिए अमेरिकी-मध्यस्थता में होने वाले समझौते से पीछे हटने के लिए मजबूर करना था।

साथ ही उसने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को को, जो अब्राहम समझौते का हिस्सा थे, इस्राइल से रिश्ते खत्म करने की जमीन तैयार की। नेतन्याहू, उनके यहूदी वर्चस्ववादियों तथा अति रूढ़िवादी गठबंधन के लिए हमास का संदेश स्पष्ट है-खाड़ी के अरब भाई चाहे आपको कितनी भी जमीन दे दें, यहां आप आराम से नहीं रह सकते। हम आपको गाजा में सनकी कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर देंगे, जो अरब देशों को आपसे दूर रहने के लिए मजबूर करेगा। ध्यान रखना चाहिए कि हमास ने यहूदी बस्तियों पर हमला करने के लिए इस्राइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट पर अपने गुर्गों को नहीं भेजा था। उसने अपने हमले को इस्राइली गांवों और किबुत्ज के फार्मों पर केंद्रित किया, जो इस्राइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट का हिस्सा नहीं हैं।

मुझे लगता है कि अमेरिका को इस्राइल की मदद करने के लिए तीन काम करने की जरूरत है। पहला, राष्ट्रपति बाइडन इस्राइल से पूछें कि वह गाजा में आगे क्या करने वाला है। उसके सबसे बड़े दुश्मन उससे क्या चाहते हैं और वह ठीक इसके विपरीत कदम कैसे उठा सकता है?

इस्राइल के सबसे बड़े दुश्मन (हमास और ईरान) चाहते हैं कि इस्राइल गाजा पर आक्रमण करे और वहां एक रणनीतिक अतिक्रमण में फंस जाए। इससे विश्व मंच पर इस्राइल द्वारा अर्जित सहानुभूति कमजोर हो जाएगी, तेहरान के निरंकुश शासन से दुनिया का ध्यान भटक जाएगा और इस्राइल को गाजा और पश्चिमी तट पर स्थायी कब्जा करने के लिए अपनी सेना बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मुझे उम्मीद है कि बाइडन नेतन्याहू से यह कहेंगे कि अमेरिका लोकतांत्रिक इस्राइल को हमास के धार्मिक फासीवादियों और लेबनान में हिजबुल्लाह से बचाने में मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा, लेकिन नेतन्याहू को खुद को उदार लोकतांत्रिक इस्राइल से जोड़ना होगा, क्योंकि दुनिया और यह क्षेत्र इस लड़ाई को धार्मिक युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र और धर्मतंत्र की अग्रिम पंक्ति की लड़ाई के रूप में देखता है। इसका मतलब यह है कि नेतन्याहू को अपने मंत्रिमंडल में बदलाव करना होगा और धार्मिक कट्टरपंथियों को बाहर निकालकर एक राष्ट्रीय एकता सरकार का गठन करना होगा।

दुर्भाग्य से, नेतन्याहू अब भी अपने कट्टरपंथी गठबंधन को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसकी उन्हें खुद को भ्रष्टाचार के मुकदमे से बचाने और न्यायिक तख्तापलट को पूरा करने के लिए जरूरत है, जो इस्राइल के सर्वोच्च न्यायालय को अक्षम बना देगा। यह वाकई गड़बड़ है। अमेरिका लंबे समय तक इस्राइल को उसके वास्तविक खतरों से नहीं बचा सकता, जब तक कि वहां ऐसी सरकार न हो, जो उसके समाज के सबसे अच्छे लोगों को प्रतिबिंबित करती हो।

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

महिलाओं की राजनीतिक उदासीनता के निहितार्थ

डॉ. ऋतु सारस्वत

महिला आरक्षण बिल यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को हाल ही में राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस कानून के लागू होने पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। लैंगिक समानता के लिए उठाया गया यह कदम स्वागतयोग्य है। राजनीतिक स्तर पर महिलाओं को समानता के उच्चतम पायदान पर खड़े करने की पहल विगत कई दशकों से की जा रही थी परंतु तमाम उलझनों और ऊहापोह के बीच इसे आने में इतना लंबा समय लग गया। खैर, देर से आए दुरुस्त आए। परंतु यक्ष प्रश्न यह है कि क्या महिलाओं का राजनीतिक पदों को प्राप्त करना सहज होगा? क्या देश की आम महिलाएं इसका लाभ ले पाएंगी या फिर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं तक ही यह सीमित होकर रह जाएगा? क्या विधायक पति, भाई या पिता सत्ता पर अब परोक्ष रूप से काबिज होंगे? इन प्रश्नों ने अपने उत्तरों को ढूंढ़ने की कवायद आरंभ कर दी है।

वर्ष 2017 में हिलेरी क्लिंटन ने अपनी किताब 'व्हाट हैपेंड' में लिखा 'यह पारंपरिक सोच नहीं है कि महिलाएं नेतृत्व करें या राजनीति के दांव पेंच में शामिल हों। यह न तो पहले सामान्य था और न ही आजज्इसलिए जब भी अगर ऐसा होता है तो यह सही प्रतीत नहीं होता। लोगों ने हमेशा इस तरह की भावनाओं के आधार पर मत दिया है।' हिलेरी क्लिंटन ने समाज के उस चेहरे को उजागर किया है जहां आधुनिकता और समानता के तमाम दावों के बीच महिलाओं की राजनीति में अस्वीकार्यता है। व्यावहारिक समानता के बावजूद अप्रत्यक्ष सामाजिक-राजनीतिक ढांचे महिलाओं को राजनीति में भागीदार बनने से रोकते हैं।अंतर संसदीय संघ की ओर से कराए गए सर्वे इन 'इक्वलिटी इन पॉलिटिक्स' में पाया गया कि सामाजिक रीति-रिवाजों के अलावा आर्थिक क्षमता और राजनीतिक दलों की संरचना भी महिलाओं के लिए बाधक है। अब प्रश्न यह उठता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को नेतृत्वशील पदों पर क्यों नहीं देखना चाहती? इसका उत्तर मुश्किल नहीं है 'राजनीति' सत्ता और शक्ति का केंद्र है। वह प्रभाव और निर्णय क्षमता की आधारभूमि है जो कि पुरुषत्व भाव की छद्म तुष्टि का आधार बनती है। सत्ता को पुरुषत्व से जोड़कर देखने की मानसिकता इतनी गहरी जड़ें जमाए हुए है कि विश्व की कोई भी सामाजिक व्यवस्था, चाहे उसका स्वरूप विकसित हो या विकासशील, महिलाओं का राजनीति में प्रवेश स्वीकार नहीं करती। और किंचित जो महिलाएं इस ओर कदम बढ़ाती हैं उन्हें रोकने के लिए 'हिंसा' को, चुनावी चक्र में विभिन्न तरीकों से लक्षित और विनाशकारी उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

एक अध्ययन के मुताबिक विश्व भर में 35500 संसदीय

सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 156 देशों में से 81 में राजनीतिक उच्च पदस्थ स्थानों में महिलाएं नहीं रही हैं। स्वीडन, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका जैसे लिंग समानता के संबंध में अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले देश भी इसमें शामिल हैं। इस सत्य को विश्व की तमाम संस्थाएं स्वीकार करती हैं कि महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी राजनीतिक भागीदारी मानवाधिकार, समावेशी विकास और सतत विकास का मामला है। निर्णय लेने और राजनीतिक भागीदारी के सभी स्तरों पर पुरुषों के साथ समान शर्तों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समानता, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनके दृष्टिकोण और अनुभवों को शामिल करने के लिए आवश्यक है।

रेक्यिवेक इंडेक्स 20-21' के 'सत्ता में पदों के लिए उपयुक्तता पुरुष और स्त्री के संबंध में दृष्टिकोण' अध्ययन में सम्मिलित जी 7 देशों के बीस हजार वयस्कों की, महिलाओं के राजनीति में नेतृत्व को लेकर जो विचारधाराएं हैं, वह अचंभित करती हैं। हैरान करने वाला तथ्य तो यह है कि जिस युवा पीढ़ी (18-34) को आधुनिक विचारों का पैरोकार समझा जाता है वह युवा पीढ़ी महिलाओं के राजनीति में प्रभावशील नेतृत्व को लेकर संकुचित विचारधारा रखती है और यह मानती है कि सत्ता के गलियारे महिलाओं के लिए नहीं बने हैं। इन विचारधाराओं के लिए युवाओं को भी पूर्ण रूप से दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

दरअसल संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था 'समाजीकरण' की प्रक्रिया के अनुरूप सुनिश्चित होती है। समाजीकरण वह प्रक्रिया है जहां बच्चे को उसके जन्म के पश्चात समाज की व्यवस्थाओं के अनुरूप रहना सिखाया जाता है और यह प्रक्रिया परिवार से आरंभ होकर स्कूल, रिश्तेदारों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित होती है। 'सत्ता', 'राजनीति' यह शब्द समाजीकरण की प्रक्रिया में महिलाओं को इंगित करते ही नहीं इसीलिए वर्तमान पीढ़ी भी यह मानकर चलती है कि राजनीति महिलाओं का विषय नहीं है।

इलिनॉइस के इवांस्टन में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक एलिस ईमल के अनुसार 'ऐसी मान्यताएं हैरान करने वाली नहीं हैं क्योंकि समाज महिलाओं की निर्णय क्षमता और आधिकारिता पर विश्वास नहीं करता है।' राजनीति के प्रथम स्तर पर महिलाओं का आरक्षण यकीनन भारत की राजनीतिक तस्वीर को बदलेगा परंतु इसमें कतई संदेह नहीं है कि आने वाले दो-तीन दशकों में समाज को महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण से परिचित होना होगा जो कि सहज नहीं है। यह प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है कि अगर 1994 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से राजनीति के निचले पायदान पर महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलता तो क्या वह अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाती? दरअसल, वैधानिक तथा राजनीतिक स्तर पर जब भी बड़े बदलाव किए जाते हैं तो सामाजिक ढांचे में वह सहज ढल नहीं पाते। अनेक बार दबाव ही सामाजिक बदलाव की स्वीकार्यता का कारण बनता है। ठीक इसी तरह 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को समाज को अंगीकार करने में कुछ दशकों का समय लग सकता है। महिलाओं के लिए जहां एक ओर पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था के समक्ष खड़े होकर लड़ने की चुनौती है तो वहीं दूसरी ओर उनके भीतर आत्मबोध का अभाव है, जिसके चलते वे स्वयं को ही पीछे धकेल लेती हैं।

एक अध्ययन के मुताबिक, पुरुष अवसरों को अपनी भविष्य की क्षमता के हिसाब से आंकते हैं, वहीं महिलाएं इस हिसाब से कि उन्होंने पूर्व में क्या उपलब्धियां अर्जित की हैं। इस सोच के चलते बहुत-सी महिलाएं ठहर जाती हैं या फिर नेतृत्व की भूमिका में अपने प्रयासों में देर कर देती हैं। इसके अलावा पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था में कुछ ऐसी भी चुनौतियां हैं जिसका सामना पुरुषों की अपेक्षाकृत महिलाओं को अधिक करना पड़ता है, धन जुटाना इन्हीं में से एक है। बहुत-सी महिलाएं जो पुरुषों के बराबर धन नहीं कमाती या फिर जिनकी आय का कोई स्रोत नहीं है, उनके लिए धन जुटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

राजनीतिक नेतृत्व प्राप्त करने के लिए राजनीतिक जागरूकता का होना आवश्यक है, इसके बगैर राजनीतिक विकास संभव नहीं। बीते दशकों में महिलाएं राजनीतिक विषयों पर गंभीर चर्चा कर रही हैं ऐसा नहीं है परंतु वे 'विकास' जैसे अहम बिंदुओं और अपने अधिकारों के प्रति पूर्णतः अनभिज्ञ भी नहीं हैं। देश के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मौजूदगी शुरुआत से कम बेशक रही है परंतु सच है कि महिलाओं में राजनीतिक चेतना का विकास तेजी से हो रहा है। इस बात का प्रमाण हैं पिछले कुछ चुनावी आंकड़े। महिलाएं अब यह जानने का प्रयास करने लगी हैं कि उन्हें किसे चुनना है, कौन उनके हितों के प्रति सचेत है, जो नेता सीधे तौर पर उनके हितों से जुड़ा हुआ है वह उन्हें ही वोट देना चाहती हैं।विभिन्न अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि महिलाएं पहले की अपेक्षा कहीं अधिक मुखर हुई हैं जो कि महिलाओं की सकारात्मक राजनीतिक यात्रा की पुष्टि करती है और सुखद भविष्य की भी।

साभार : लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

कलेक्टर के निर्देश : निर्वाचन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें, कोताही बर्दाश्त नहीं : एसपी सिंह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने गुरुवार को सोहागपुर और पिपरिया विधानसभा का भ्रमण कर यहां सेक्टर ऑफिसर्स और सेक्टर पुलिस ऑफिसर्स की संयुक्त बैठक ली।

कलेक्टर-एसपी ने सोहागपुर और पिपरिया विधानसभा में ली सेक्टर ऑफिसर्स और सेक्टर पुलिस ऑफिसर्स की संयुक्त बैठक

उन्होंने अधिकारियों से वन टू वन चर्चा कर क्रिटिकल और वलनरेबल मतदान केंद्र की जानकारी ,आपराधिक तत्वों और उनके खिलाफ कार्यवाही, एक सेक्टर में मतदान केंद्र की अधिकतम दूरी , वेबकास्टिग ,संयुक्त विजिट इत्यादि बिंदुओं पर जानकारी ली। सबसे पहले कलेक्टर एवं एसपी ने सोहागपुर और उसके बाद पिपरिया में अधिकारियों की बैठक ली।

कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि निर्वाचन के दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निभाएं। किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष निर्वाचन में सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। सभी अधिकारी द्वारा व्यवस्थित ढंग से अपने मतदान केंद्रों का संयुक्त भ्रमण कर वहां क्रिटिकल और वलनेरबल मतदान केंद्रों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएं। स्थानीय लोगो में विश्वास उत्पन्न करें। सूचना तंत्र मजबूत बनाएं।आपराधिक प्रवृति के लोगो के खिलाफ कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा की निर्वाचन में ईवीएम का संचालन सबसे महत्वपूर्ण है। सुनिश्चित करें कि निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत ईवीएम का संचालन किया जाए। जिसमें सभी सेक्टर ऑफिसर भी दक्ष हों।

सख्त कार्रवाई की जाएगी

पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने भी सख्त निर्देश दिए कि निर्वाचन के कार्यों में कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। सभी सेक्टर और सेक्टर पुलिस अधिकारी लगातार 10 दिन अपने मतदान केंद्रों का भ्रमण कर क्रिटिकल और वलनेरबल मतदान केंद्रों का चिन्हांकन करें। वहां आपराधिक कार्यों में संलिप्त तत्वों की भी समीक्षा कर वहां प्रिवेंटिव एक्शन लिए जाए। जिला बदर सहित धारा 122 की भी कार्यवाही की जाएं। अवैध शराब के विक्रय और परिवहन पर सख्त कार्यवाही की जाएं। उन्होंने सख्त निर्देशित किया कि पूरी मुस्तादी से अपने कार्यों का निर्वहन करें। गलती की कोई भी गुंजाइश न रहे। अगली समीक्षा बैठक में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नाम निर्देशन की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

इस दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने तहसील कार्यालय पिपरिया और सोहागपुर का भ्रमण कर यहां नाम निर्देशन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील कार्यालय में अभ्यर्थियों के आने, सीसीटीवी ,पार्किंग आदि व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने नाम निर्देशन की सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सिक्योरिटी पेपर मिल नर्मदापुरम में मतदाता जागरूकता के तहत संगोष्ठी का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिक्योरिटी पेपर मिल नर्मदापुरम में वोटर अवेयरनेस फोरम के द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारी/कर्मचारियों को एक संगोष्ठी कर जागरूक किया गया एवं उनको यह भी जानकारी दी गई कि जिस स्थान पर मतदाता सूची में नाम है, कृपया वहां पर आप मतदान अवश्य करें और देश के हित में कार्य करें साथ ही सीआईएसएफ अधिकारी कर्मचारियों को मतदान के लिए मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

परिचित मतदाताओं को वोट के लिए प्रेरित करने दिलाई शपथ

हरदा, दोपहर मेट्रो

संकल्प पत्र भी भरेमध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत रायसेन में आयोजित पुलिस बल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वीप प्लान के तहत जिला पंचायत सीईओ और स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती अंजू भदौरिया ने पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को आगामी विधानसभा निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान करने और अपने आसपड़ोस और परिचित मतदाताओं को भी वोट डालने हेतु प्रेरित करने के लिए कहा। जिला पंचायत सीईओ द्वारा पुलिस बल को मतदान की शपथ भी दिलाई गई।

रंगोली, रैली व शपथ ग्रहण के माध्यम से मतदान की अपील...

हरदा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि गर्ग के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरूवार को ग्राम झाड़पा व सिरकम्बा में महिलाओं को आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा ग्राम आलमपुर के स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित कर रंगोली के माध्यम से ग्रामीणों से मतदान की अपील की गई। इसके साथ ही टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छिदगांव मेल में विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने मतदाता जागरूकता रैली आयोजित कर ग्रामीणों से मतदान की अपील की।

बिना अनुमति बन गया व्यावसायिक भवन

नगर पालिका ने कहा हमने इसके निर्माण की अनुमति नहीं दी..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मीनाक्षी चौक से आईटीआई की ओर जाने वाली रोड पर एक निकासी नाले के ऊपर एक व्यावसायिक भवन का निर्माण किया गया है। जब इस भवन निर्माण को लेकर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी चाही गई तो नगर पालिका द्वारा आवेदन कर्ता को कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई. जानकारी प्राप्त न होने की दशा में जब नगर पालिका से इस बारे में बात की गई तो नगर पालिका के भवन अनुज्ञा अधिकारी द्वारा लिखित में बताया गया कि इस भवन को लेकर नगर पालिका द्वारा कोई भी अनापत्ती

बिना अनुमति के कैसे बना रहे हैं भवन

नर्मदापुरम में कई भवन ऐसे हैं जिनको नगर पालिका द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया गया. इसके वाबजूद इन भवनों का निर्माण किया गया. जिस भूमि का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं कोई पट्टा नहीं उस पर निर्माण कैसे किया जा सकता है. निर्माण करने से पहले नगरीय निकाय से निर्माण की अनुमति लेनी पड़ती है. जब नगर पालिका ने इस भवन को निर्माण की अनुमति नहीं थी तो यह निर्माण कैसे हो गया। सूत्रों से पता चला है कि भवन निर्माता और नगर पालिका के कुछ जिम्मेदार लोगों द्वारा यह नियम विरुद्ध कार्य कराया है.यह काम किसके कार्यकाल में हुआ और किसने कराया यह जाँच का विषय है. इसकी जांच प्राथमिकता से होनी चाहिए.

निर्वाचन गतिविधियों की वीडियोग्राफी किए जाने के संबंध में वीडियोग्राफर्स को दिया गया प्रशिक्षण

हरदा, दोपहर मेट्रो

मप विस निर्वाचन-2023 अंतर्गत निर्वाचन गतिविधियों की वीडियोग्राफी करने वाले वीडियोग्राफर्स की बैठक सह प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग तथा जिला कोषालय अधिकारी आरके गुप्ता द्वारा वीडियोग्राफर्स को आयोग के दिशा-निर्देशों तथा निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की वीडियोग्राफी किए जाने के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती गर्ग ने वीडियोग्राफर्स से कहा कि विधानसभा स्तर पर फ्लाइंग स्काड, एसएसटी, वीएसटी आदि टीमों के साथ रहकर निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की वीडियाग्राफी करेंगे।

मेट्रो एंकर सभी नागरिक अपनी आवाज उठाएं और सरकार में अपने हितों का प्रतिनिधित्व करें

नुक्कड़ नाटक कर,दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नगर पालिका एवं एस.डी.ए.एम महाविद्यालय द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 स्वीप गतिविधि के अंतर्गत जय स्तंभ चौक पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को अपने मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया ।जिसमे छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया की लोकतंत्र के इस महापर्व में युवाओं को जागरूक करना आवश्यक है। विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदाता अधिक से अधिक मतदान करे जिससे प्रदेश को सही हाथो में देने के लिए आपकी भी भागीदारी रहे। वोट देने की क्षमता न केवल एक अधिकार है, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिक अपनी आवाज उठाएं और सरकार में अपने हितों का प्रतिनिधित्व करें।

छात्र छात्राओं द्वारा शपथ भी दिलाई गई की हम भारत के नागरिक लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना सतप्रतिसत मतदान करेगे और दुसरो को भी प्रेरित करेगे। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति,आदर्श,श्रृष्टि,कशिश, प्राची,त्रशिका, मांशी ,हिमानी,आकिब, प्रयाग,सोनिया के द्वारा दी गई ।इस दोरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी, मुख्य लिपिक संजय गोयल, स्वीप प्रभारी महेंद्र परिहार, उपयंत्री राहुल शर्मा, चंद्रकांत कवर स्वच्छता निरीक्षक डॉ प्रशांत कुमार शर्मा, प्राचार्य राजेश कुशवाहा,महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा और बच्चो का उत्साहवर्धन किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी ने बताया कि निकाय द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत प्रतिशत मतदान हेतु स्वीप अंतर्गत गतिविधियां संचालित कराई जा रही है जिसमें सिवनी मालवा क्षेत्र के अन्य विभागों के साथ मिलकर नुक्कड़ नाटक एवं अन्य गतिविधियां संचालित कराई जा रही है ताकि मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया जा सके।

आदर्श आचार संहिता के बाद भी नहीं थम रहा अवैध शराब का कारोबार

प्रशासन की नाक के नीचे मुगलसराय में गांव-गांव बिक रही अवैध शराब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है लेकिन इसका असर मुगलसराय थाना क्षेत्र में दिखाई नहीं पड़ रहा है। यही कारण है की क्षेत्र में करीब एक दर्जन से अधिक गावों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही हैं। जिसकी शिकायतें भी लगातार देखने को मिल रही हैं, बावजूद इसके जिम्मेदार हाथ पैर हाथ रखे बैठे हुए प्रतीत हो रहे हैं यही कारण है कि शराब माफिया अब गांव-गांव पहुंचकर अवैध रूप से शराब बिकबा रहे हैं जिसके कारण गांव में रहने वाले युवा बड़ी संख्या में नशे का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मुगलसराय थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते स्थानीय लाइसेंसी शराब ठेकेदार के माध्यम से ही अवैध शराब बिक्री गांव गांव खुलेआम करवाई जा रही है।

इसको लेकर क्षेत्रीय ग्रामीण महिलाएं एवं जनप्रतिनिधि कई बार लामबंद हो चुके हैं। परंतु यह गोरखधंधा बदस्तूर चल रहा है। इस पर रोक नहीं लग पा रही है। क्योंकि अंग्रेजी और देशी शराब का ठेका लेने वाले ठेकेदार ने गांव-गांव अपनी अवैध दुकानें खुलवा दी है। यहां पर शराब अब बेरोक टोक बिक रही है। धड़ल्ले से शराब जिसका नतीजा यह निकल रहा है कि लोग जमकर नशा कर रहे हैं, जिससे कई परिवार टूट रहे हैं तो वहीं वाहन दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। जगह-जगह खुली शराब की दुकानों मे धडल्ले से बिक रही शराब को देखकर भी आबकारी पुलिस शराब ठेकेदारों के सामने लाचार है। आबकारी पुलिस को यह जानकारी होने के बाद भी अवैध रूप से शराब का कारोबार करने वाले ठेकेदार के खिलाफकोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जिम्मेदार कार्रवाई के नाम पर करते हैं खानापूर्ति

वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करा चुके हैं इसके बावजूद विभाग के जिम्मेदार कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति करते हैं। अवैध कारोबारियों का गोरखधंधा जैसा चल रहा है चलता रहता है इसलिए इन्हें किसी की कोई परवाह नहीं है, क्योंकि विभाग के जिम्मेदार भी इस गोरखधंधे में शामिल हैं। वही झंडवा के ग्रामीण विष्णु दांगी का कहना है की अवैध शराब को लेकर हम कई बार स्थानीय प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। प्रशासन हर बार छोटी-मोटी कार्रवाई कर अपना पल्ला झाड़ लेता है यही कारण है कि कुछ दिन बाद पुनः अवैध रूप से शराब बिकने लगती है।

सबसे ज्यादा क्षेत्र के युवा हो रहे नशे का शिकार

गांव-गांव अवैध शराब बिक्री से आए दिन होने वाली वाहन दुर्घटनाएं यह साबित कर रही है कि 90 प्रतिशत वाहन चालक नशे की हालत में मिले हैं। यही कारण है की पिछले 1 महीने में करीब आधा दर्जन मौतें सड़क हादसे के दौरान नशे के कारण सामने आई हैं। विगत दिनों पूर्व रोहिलपुरा चौराहे पर हुए हादसे के दौरान शराब ही प्रमुख वजह सामने आई थी इसके अलावा तीन दिन पूर्व हुए बाईपास पर बाइक हादसे के दौरान दो लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें दोनों सगे भाई नशे की हालत में थे। हादसे के दौरान हुई मौत वाले युवा भी अधिकांश 20 से 30 वर्ष के बीच के हैं। वही ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं परिवारों में आपसी कलह देखी जा रही है जिसका मुख्य कारण शराब ही है। जो युवा देश का भविष्य है आज नशे की लत के कारण मदहोशी में पड़ा है और जिम्मेदार बेखबर हैं।

इन गांवो में हो रही शराब की अवैध बिक्री

क्षेत्र के ग्राम अनूपपुर चौराह, राय साहब के टपरा, तिंदुआ, चोपना, बांसखेड़ी सहित दर्जन भर से ज्यादा गांवों में स्थानीय लाइसेंसी शराब ठेकेदार के संरक्षण में लंबे समय से शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। आबकारी विभाग की मिलीभगत से शराब ठेकेदार द्वारा खुद के वाहनों से खुलेआम गांव-गांव दुकानें खुलवाकर अंग्रेजी एवं देशी शराब बेची जा रही है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन झगड़े हो रहे है। वहीं विशेष तौर पर पुरुषों की शराबखोरी की लत के कारण महिलाएं परेशान हो रही हैं। गृह कलह से जूझ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव दुरंग, धमऊखेड़ी एवं मुख्य सड़क के किनारे बने दुरंग गांव के आगे मकानों पर खुलेआम कच्ची शराब का विक्रय भी हो रहा है लेकिन प्रशासन कार्रवाई करने से बच रहा है जिस के कारण किसी दिन बड़ी अनहोनी हो सकती है।

इनका कहना है -

अनूपपुर चौराहे पर विगत दिनों पूर्व कार्रवाई की गई थी, यदि अन्य कहीं ओर भी इस तरीके से अवैध शराब बेची जा रही है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मोहरसिंह गवली,थाना प्रभारी मुगलसराय

रबी फसल के लिए खाद का इंतजाम करने में जुटे किसान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

हर साल किसानों को फसल की बोनी करने के लिए खाद के लिए भी परेशान होना पड़ता है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए अभी से किसानों ने खाद का इंतजाम करना प्रारंभ कर दिया है । सहकारी समिति की गोदाम जो कि लेटरी रोड पर स्थित है जहां पर बड़ी संख्या किसान सुबह से ही खाद लेने के लिए पहुंच जाते। दूसरी और अधिकांश समितियां में भी भरपूर मात्रा में खाद का इंतजाम किया गया है।

जहां पर भी किसानों को खाद उपलब्ध करवाया जा रहा है । किसानों का कहना है कि जब भी हम लोगों को फसल बोने के लिए खाद की आवश्यकता होती है तो उसे समय हमें खाद नहीं मिलता है। इस वजह से हम लोग पहले से ही खाद का इंतजाम कर रहे हैं। बाजार में मोटे दामों पर ब्लेक में भी खाद की बिक्री हो रही है बाद में हमें खाद नहीं मिल पाता इसलिए हमा खाद ब्लेक में भी लेना पद रहा हैं।

देवरी हाईवे पर पुलिस ने 1 लाख से अधिक की नकदी जब्त की

रायसेन, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत रायसेन जिले के देवरी में हाईवे पर बनाए गए एसएसटी चेक प्वाइंट पर वाहनों की जांच के दौरान एफएसटी टीम द्वारा भोपाल निवासी मोहम्मद फैजान के पास से एक लाख 39 हजार 500 रू नगद जप्त किए गए। मोहम्मद फैजान द्वारा उक्त नगदी के संबंध में संतोषजनक जानकारी तथा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई करते हुए एक लाख 39 हजार 500 रू की नगदी थाना देवरी की सुपुर्दगी में देते हुए वैधानिक कार्यवाही गई। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही रायसेन सहित सम्पूर्ण प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में डांस प्रतियोगिता का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अग्रसेन जयंती को लेकर अभी से अग्रवाल समाजननों के द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी है। श्री अग्रवाल संस्कार महिला मंडल के द्वारा गुरुवार को अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल डांसिंग स्टार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन चार कैटेगरी में हूआ बितेता बच्चों को पुरस्कार वितरण किया एवं सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार भी दिये गये इसमें श्रीमती रितु भार्गव ,श्रीमती नम्रता अग्रवाल और श्रीमती प्रियंवदा शर्मा जज के रूप में उपस्थित थी जिन्होंने सभी बच्चों को अच्छी तरह जजमेंट किया इस कार्यक्रम में लगभग 50 से 60 बच्चों ने भाग लिया ।

बच्चों ने सुंदर प्रसूति देकर सभी का मन मोहा लिया हर कैटेगरी में फर्स्ट और सेकंड पुरस्कार दिया गया है। नर्सरी से लेकर 12 जी से ऊपर सभी में फर्स्ट सेकंड ग्रुप डांस सिंगल डांस सभी को प्राइस दिया गया है।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए गांव-गांव में निकाली गई रैली

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लोकतंत्र की मजबूती में सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें जिसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । जागरूकता अभियान का आयोजन भी निर्वाचन विभाग के निर्देश पर चलाया जा रहा किया जा रहा है। निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी के निर्देश पर गुरुवार को हर ग्राम पंचायत स्तर पर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर रैली का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत घुटाआ, कोरवासा प्यारखेड़ी, सोना सहित अन्य ग्राम पंचायत में जागरूकता के लिए ग्रामीण और गांव के बच्चों को शामिल करके रैली पूरे गांव में निकाल कर मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने का काम नहीं किया गया ।

पंचायत सचिव मुशर्रफअली ,नितिन शर्मा ने बताया कि पूरे ग्राम में मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए जागरूक किया और कहा कि विधानसभा चुनाव में सभी मतदाता भय मुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग करके क्षेत्र के विकास में उन्नति के लिए अपने वोट का उपयोग करके मतदान अवश्य रूप से करें सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने के लिए नारे भी लिखे हुए बैनर लेकर मतदाता जागरूक रैली आयोजित की गई। निर्वाचन अधिकारी के द्वारा ऐसे मतदान केंद्र पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है जहां पर पिछली विधानसभा चुनाव में 50 प्रतिषत से कम मतदान हुआ था उनका मत प्रतिशत बढ़ाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है ।साथ ही सभी जगह मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम निरंतर किए

मेट्रो एंकर

अधिकांश व्यापारी धर्म कांटे पर नहीं करवा रहे हैं तौल, किसानों को लग रही चपत

धर्म कांटे पर तौल कराने के लिए मंडी सचिव ने निकाला आदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक तरफमंडी सचिव के द्वारा सभी किसानों के उपज बी ओ टी इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे पर करने के निर्देश दिए हैं। फिर भी अधिकांश व्यापारियों के द्वारा इस पर तोल नहीं करवाई जा रही है । सभी जगह अलग-अलग धर्म कांटे स्थापित हो इसी पर उपज की तोल मानी जाए जिससे कि किसानों को अपनी उपज करवाने में कठिनाई न हो अभी चोरी होने के कारण किसानों को हर दिन चूना लगाने का काम जरूर हो रहा है। चलते किसान यहां पर आने में कतरने लगे हैं यदि यही हाल रहे तो आने वाले दिनों में यहां पर किसान दिखाई नहीं देंगे इसका नुकसान सभी को उठाना पड़ेगा इस बात को ध्यान में रखते हुए सभी को अनाज चोरी रोकने के लिए प्रयास करने होंगे।

नगर की कृषि उपज मंडी पूरे जिले में चोरी के लिए बदनाम हो चुकी है अधिकांश किसान यहां पर उपज बेचने के लिए आने को तैयार नहीं होते हैं । मजबूरी में जो किसान आते हैं उनके साथ चार अन्य लोग भी आते हैं इसके बाद भी उन्हें चूना लगा दिया जाती है। वहीं अधिकांश किसान आसपास की कृषि उपज में अपनी उपज बेचने के लिए जा रहे हैं । इसी का नतीजा है के सीजन में एक समय 25 से 30 हजार बोरो की आवक होती थी इस समय 10 हजार की भी नहीं हो रही है इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसानों का कितना मोह भंग इस मंडी से हो चुका है। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर अधिकांश व्यापारियों हम्मलो तुलावटो के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह चोरी की घटनाएं होती रही तो एक दिन ऐसा भी आएगा इस मंडी में किसान अपनी उपज बेचने के लिए नहीं आएंगे तो सभी को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा किसानों के यहां पर नहीं आने से व्यापार भी प्रभावित होता है।

सभी कांटों पर क्यों नहीं हो रही तोल - दूसरी ओर मंडी सचिव के सभी मंडी व्यापारियों को इलेक्ट्रॉनिक बी ओ टी तोल कांटों पर ही किसानों की उपज की तुलाई करवाने के लिए आदेश किया गया फिर भी उसका पालन अधिकांश मंडी के व्यापारियों के द्वारा नहीं किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि कई हम्मलो तुलावटो की मनमानी हो रही है अलग-अलग स्थान पर व्यापारियों के तोल कांटों पर ही टोल होती है जहां पर एक-एक बोरा तोला जाता है। इसी दौरान किसान की उपज गायब कर दी जाती है। कभी बोर गायब कर दिया जाता है तो कभी तौल कांटों में गड़बड़ी करके अधिक तोल कर किसानों को चूना लगाने का काम किया जा रहा है ।इस पर रोक लगाने के लिए मंडी सचिव के द्वारा जारी किए गए आदेश का पालन भी होता हुआ मंडी में नजर नहीं आ रहा है। छोटे तोल कांटे तुलाई होने से ऐसा हो रहा है यदि धर्म कांटे पर सभी किसानों की तोल सभी व्यापारी करेंगे तो ना चोरी की घटना होगी। वहीं अभी जिस तरह से कम अभी हो रहा है यदि ऐसा ही जारी रहता है तो मंडी में चोरी की वारदातों पर लगाम लगा पाना अ असंभव यहां के अधिकांश बालों को हम्मलो तुलावटो को अनाज चोरी की आदत पड़ चुकी है। उनकी आदत को तोड़ने के लिए जितने भी अपराधी प्रवृत्ति के हम्मल ,तुलवट हे उनको बाहर करना होगा इसके बाद मंडी प्रशासन अधिकारी कर्मचारियों को अपनी भूमिका का निर्माण गंभीरता से करना होगा तभी हालत बदल सकते हैं ।नहीं तो इसी तरह हालत मे काम जारी रहता है तो एक दिन वह भी आएगा कि जब मंडी में किसानों की ट्रालियां नजर आना बंद हो जाएगी शायद उसके बाद ही सभी जिम्मेदार नींद में से जाएंगे तब तक बहुत देर हो जाएगी।

इनका कहना है -

हमने सभी अनु विज्ञप्ति जारी व्यापारियों को बी ओ टी कांटे पर ही तोल करने के लिए आदेश जारी किया है । इसके बाद यदि तोल नहीं हो रही है तो हम दिखाते हैं हमारा प्रयास है की मंडी में किसी भी किसान की चोरी ना उसके लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहा है । अनाज चोरी करने वाले हम्मलो को बाहर भी किया जा रहा है ।

फॉर्म में डेवोन कॉन्वे बांग्लादेशी स्पिनर्स पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने विश्व कप 2023 में अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए ना सिर्फ डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को हराया, बल्कि नीदरलैंड्स को हार का स्वाद चखा दिया। अपने तीसरे मुकाबले में अब उनका सामना बांग्लादेश से होगा, जो इंग्लैंड के हाथों हार का जख्म लेकर मैदान में उतरेगी। चोट से जूझ रहे केन विलियमसन इस मैच से टीम में वापसी कर सकते हैं। रचिन रविंद्र की फॉर्म और केन की वापसी टीम मैनेजमेंट को कुछ नपे तुले फैसले लेने पर मजबूर कर सकती है। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच यह मैच आज दोपहर 2 बजे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा।

दबदबा कायम रखेगी न्यूजीलैंड? बांग्लादेश जीत की राह खोजने उतरेगी

बांग्लादेश के स्पिनर रहे थे कामयाब

बांग्लादेश ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 13 ओवर 102 रन देते हुए 8 खिलाडियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। वहीं, 400 रनों का आंकड़ा पार करने से रोक दिया। मेहदी हसन, और शोरफुल इस्लाम ने जहां मिलकर 7 विकेट लिए। वहीं, लिटन दास और मुशफिकुर रहीम ने अर्धशतक जड़े, लेकिन इन चारों खिलाड़ियों की मेहनत रंग नहीं लाई।

फॉर्म में डेवोन कॉनवे को रोकना होगा मुश्किल

डेवोन कॉनवे इस साल वनडे क्रिकेट में 4 शतक जड़कर अपनी बल्लेबाजी का जादू बिखेरा है। विश्व कप के दो मैचों में उन्होंने 200 रन बना डाले हैं। फॉर्म में चल रहे ये कीवी बल्लेबाज अपने आईपीएल टीम के गढ़ चेन्नई के चिदंबरम स्टेडियम में उतरेगा। जहां उनके बल्ले को रोक पाना बांग्लादेशी टाइगर्स के लिए मुश्किल होगा। बांग्लादेश की टीम में अगर कोई डेवोन की चुनौती को स्वीकार कर सकता है तो वह मेहदी हसन मिराज है।

डेंगू के कारण शुभमन दो मैच नहीं खेल पाए थे

भारत-पाक टीम अहमदाबाद पहुंची अभ्यास करते नजर आए गिल

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड कप का अहम मुकाबला शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें अहमदाबाद पहुंच चुकी हैं। टीम इंडिया के लिहाज से अच्छी बात यह है कि फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज शुभमन गिल प्रैक्टिस करते नजर आए हैं। डेंगू के कारण शुभमन टीम से बाहर हो गए थे और अब तक इस वनडे क्रिकेट विश्व कप में हुए दोनों मैच नहीं खेल पाए हैं।

बीसीसीआई की ओर स्पष्ट नहीं: पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में शुभमन गिल टीम का हिस्सा होंगे, यह उम्मीद जरूर की जा रही है, लेकिन अब तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। शुभमन गिल नेट्स पर जाने से पहले काफी खुश नजर आ रहे थे। उनके साथ टीम इंडिया के फिजियो कमलेश और थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान सेनेविरत्ने भी थे। गिल ने मोटेरा नेट्स पर करीब एक घंटे तक बल्लेबाजी की। उन्होंने थ्रोडाउन और कुछ नेट गेंदबाजों का सामना किया और उन्हें किसी भी तरह की शारीरिक परेशानी नहीं हुई। बाद में गिल में कैचिंग प्रैक्टिस भी की।

चोटिल चानू को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विश्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू को चोटिल होने के कारण 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक रांची में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए आराम दिया गया है। उन्हें 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह नहीं दी गई है। रियो ओलंपिक में भारत की अगुवाई करने वाली सुशीला हाल में हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। हॉकी इंडिया के सूत्रों ने बताया कि सुशीला जल्द ही डॉक्टर से मिलकर अपनी चोट की स्थिति का पता लगाएगी।सूत्रों ने कहा, 'सुशीला को विश्राम दिया गया है क्योंकि वह चोटिल हैं। उन्हें डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। सुशीला टीम की महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनका आगामी टूर्नामेंटों से पहले फिट होना जरूरी है।' बलजीत कौर को सुशीला की जगह टीम में लिया गया है। एशियाई खेलों की टीम में शामिल वैष्णवी विट्ठल फाल्के को शर्मिला देवी के साथ बैकअप विकल्प के रूप में रखा गया है। सुशीला के अलावा गोलकीपर सविता के नेतृत्व वाली टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

हॉकी में 20 सदस्यीय महिला टीम घोषित

11 खिलाड़ियों से मुकाबला

वर्ष के विश्व एथलीट के उम्मीदवारों में नीरज शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व और ओलंपिक चैंपियन जेवेलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को 2023 के दुनिया के श्रेष्ठ एथलीट के खिताब की रेस में शामिल कर लिया गया है। उन्हें 11 एथलीटों के साथ इस प्रतिष्ठित अवार्ड का उम्मीदवार चुना गया है। वर्ष के विश्व एथलीट की घोषणा वर्ल्ड एथलेटिक्स की ओर से 11 दिसंबर को की जाएगी।विश्व एथलेटिक्स के अंतरराष्ट्रीय पैनल ने इस पुरस्कार के लिए 11 उम्मीदवारों का चयन 2023 में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया है। नीरज के अलावा उम्मीदवारों में अमेरिकी शॉटपुटर रेयान क्रूजर, स्वीडन के पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस, मोरक्को के सूफियान अल बक्काली (3000 मीटर स्टीपलचेज), नॉर्वे के जैकब इंगब्रिग्ट्सन (1500, 5000 मीटर), केन्या के केल्विन किपतुम (मैराथन), कनाडा के पियर्स लीपेज (डेकाथलन), अमेरिकी स्प्रिंटर नोह लाइल्स, स्पेन के रेस वॉकर अल्वारो मार्टिन, ग्रीस के लॉग जंपर मिल्टियाडिस टेंटोग्लू, नॉर्व के कार्स्टन वॉरहोम (400 मीटर बाधा दौड़) को शामिल किया गया है। तीन दौर की वोटिंग के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। विजेता का फैसला वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल और वर्ल्ड एथलेटिक्स परिवार के अलावा प्रशंसकों के वोटों से होगा। प्रशंसक अपने वोट विश्व एथलेटिक्स के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए डाल सकेंगे। नीरज ने इस वर्ष बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों का स्वर्ण जीता है।

309 सदस्यीय भारतीय दल करेगा को खेल मंत्री ने दी विदाई

चौथे पैरा एशियाई खेलों में 309 सदस्यीय भारतीय दल शिरकत करने जा रहा है। हांगझोऊ में 22 से 28 अक्तूबर को होने वाले इन खेलों में 196 पुरुष और 113 महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को इन खेलों के लिए भारतीय दल को विदाई दी।भारत ने 2018 के जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में 15 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य समेत कुल 72 पदक जीते थे। तब इन खेलों में कुल 190 खिलाडि?ों ने भाग लिया था। भारत इस बार इन खेलों की 17 स्पर्धाओं और ब्लाइंड फुटबाल, रोइंग, ताइक्वांडो, कनोइंग और लॉन बाउल्स में पहली बार भाग लेगा।

पैरा एशियाई खेल 22 से

अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये एथलीट खेल भावना और त्याग का सच्चा उदाहरण हैं। इनका जीवन और यात्रा सभी के लिए प्रेरणा है। ये खिलाड़ी बताते हैं कि दृढ़निश्चय और कठिन परिश्रम से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। हरदीप पुरी ने कहा कि हमें विश्वास है कि हम चौथे पैरा एशियाई खेलों में इतिहास रचेंगे। विश्वकीर्तिमानधारी और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल भी इन खेलों में भाग लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इन खेलों में अपने विश्व रिकॉर्ड को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

पहला मैच 27 को थाईलैंड से

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा जापान, चीन, कोरिया, मलयेशिया और थाईलैंड अन्य भाग लेने वाले देश हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्तूबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह मलयेशिया (28 अक्तूबर), चीन (30 अक्तूबर), जापान (31 अक्तूबर) और कोरिया (2 नवंबर) के खिलाफ मैच खेलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'लय बनाए रखना और टीम के रूप में सुधार जारी रखना महत्वपूर्ण है। हमने एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करके कांस्य पदक जीता था और आगामी टूर्नामेंट में हमें अपने एशियाई प्रतिद्वंदियों के खिलाफ अपनी स्थिति में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम,
रक्षक : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)
मध्यपंक्ति: निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत कौर
अग्रिम पंक्ति : लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया
बैकअप खिलाड़ी: शर्मिला देवी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

ऐश्वर्या की इस हरकत से ननद श्वेता को है सख्त नफरत

बॉ लीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस कही जाने वाली ऐश्वर्या राय 'बच्चन' खानदान की बहू भी हैं। हमेशा से ये कयास लगते आए हैं कि ऐश्वर्या के अपनी सास जया बच्चन और ननद श्वेता बच्चन के साथ रिश्ते ठीक नहीं हैं। वे हमेशा एक-दूसरे से दूरी बनाए रखते हैं। और एक बार फिर इसको लेकर चर्चा होने लगी, जब हाल ही में ऐश्वर्या ने फोटो से सास जया, ननद श्वेता और भांजी नव्या नवेली नंदा को क्रॉप कर दिया। और सिर्फ अपने ससुर अमिताभ बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन की फोटो पोस्ट की। लोगों के बीच अभी सुगबुगाहट चल ही रही थी कि श्वेता का एक पुराना बयान चर्चा में आ गया, जब उन्होंने बताया था कि भाभी ऐश्वर्या की किस हरकत से उन्हें सख्त नफरत है।करण जौहर ने 'कॉफी विद करण' में अभिषेक बच्चन की बहन श्वेता बच्चन से पूछा था कि उन्हें भाभी की क्या चीज पसंद है, किस चीज से नफरत है और क्या बर्दाश्त करना पड़ता है? इस सवाल के जवाब में श्वेता ने कहा, 'वो एक सेल्फ मेड स्ट्रॉन्ग वुमेन और एक शानदार मां हैं।' उन्हें ऐश्वर्या की ये बात पसंद हैं। वो ऐश्वर्या की इस बात से नफरत करती हैं कि वो कॉल या मैसेज का जवाब देने में बहुत समय लेती हैं। और वो ऐश्वर्या के 'टाइम मैनेजमेंट' को टॉलरेट करती हैं।

'उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं?'

अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वालीं रत्ना पाठक शाह ने उन स्टार्स पर चुभने वाला कमेंट किया है, जो फिल्मों में खुद से आधी उम्र की हीरोइनों संग रोमांस करते हैं। रत्ना ने इसे शर्मनाक बताया है। सलमान खान से लेकर शाहरुख खान तक का नाम लिए बिना रत्ना पाठक शाह ने उन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रत्ना पाठक ने कहा कि यह शर्मिंदगी की बात है कि एक्टरों को अपनी बेटियों से छोटी हीरोइनों के साथ रोमांस करने में शर्म नहीं आती।नसीरुद्दीन शाह की वाइफ और एक्ट्रेस रत्ना इस वक्त अपनी फिल्म धक धक को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 13 अक्टूबर को रिलीज हुई है। उन्होंने पिछले दिनों इंडियाटुडे कॉन्क्लेव के दौरान बॉलीवुड में उम्र को लेकर स्टीरियोटाइप और हीरो-हीरोइनों के बीच उम्र के अंतर पर बात की थी तब शाह ने कहा, जब उन्हें शर्म नहीं आती तो मैं क्या कहूं? उन्हें अपनी बेटियों से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करने में कोई शर्म नहीं है, इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। मेरा मतलब है कि यह शर्मिंदगी है।

मेट्रो बाजार

बेहतर हुई भारत की जीडीपी, 2020 के बाद महंगाई निचले स्तर पर

नईदिल्ली, एजेंसी

महंगाई व औद्योगिक उत्पादन दोनों मोर्चे पर घरेलू अर्थव्यवस्था अनुमान से बेहतर स्थिति में है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर में उम्मीद से ज्यादा कमी आई है, जबकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) भी अगस्त में 10.3 फीसदी बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अर्थशास्त्रियों ने एक सर्वे में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई 5.50 फीसदी रहने का अनुमान जताया था, जबकि आईआईपी में 9.5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद जताई गई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में शहरी महंगाई अगस्त के 6.59 फीसदी से घटकर 4.65 फीसदी रह गई। ग्रामीण इलाकों में यह 7.02 फीसदी से कम होकर 5.33 फीसदी रही। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में मासिक आधार पर बड़ी गिरावट आई। पेय पदार्थों, ईंधन व बिजली के दाम भी घटे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, मुख्य महंगाई (सीपीआई महंगाई से खाद्य, ईंधन-बिजली और वाहनों के लिए पेट्रोल व डीजल को छोड़कर) घटकर 4.7 फीसदी रही, जो फरवरी, 2020 के बाद सबसे कम है।

औद्योगिक उत्पादन बढ़ा

विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन अगस्त, 2023 में 14 माह के उच्च स्तर 10.3 फीसदी पर पहुंच गया। इससे पहले जून, 2022 में यह सर्वाधिक 12.6 फीसदी बढ़ा था। औद्योगिक उत्पादन में अगस्त, 2022 में 0.7 फीसदी गिरावट आई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में अगस्त में 9.3 फीसदी वृद्धि हुई। अगस्त, 2022 में इसमें 0.5 फीसदी गिरावट थी। खनन उत्पादन 12.3 फीसदी बढ़ा, जिसमें पिछले साल अगस्त में 3.9 फीसदी की गिरावट आई थी। बिजली उत्पादन 15.3 फीसदी बढ़ गया। बुनियादी ढांचे/निर्माण वस्तुओं के मामले में अगस्त में 14.9 फीसदी की वृद्धि रही। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान आईआईपी में 6.1 फीसदी बढ़ोतरी रही, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान 7.7 फीसदी रही थी।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में बढ़ रही वारदात

असुरक्षित निशातपुरा: आउटर पर पर्स लेकर भागा बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा आउटर पर एक बदमाश महिला का पर्स लेकर भाग निकला। घटना के समय महिला पर्स सिर के नीचे रखकर सो रही थी। महिला के पति की नजर पड़ी और उसने बदमाश का पीछा किया, लेकिन बदमाश चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। घटना की शिकायत दंपती ने जीआरपी भोपाल पहुंचकर की थी। जीआरपी की टीम ने प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है। इसी तरह बदमाशों ने अन्य वारदातों को अंजाम देते हुए लाखों का माल चुराया है।

जीआरपी के अनुसार बृजेंद्र रिछारिया पिता बद्रीप्रसाद (31) कृष्णा कालोनी, किशनगंज, महू में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 6 अक्टूबर को वह अंबेडकर नगर एक्सप्रेस से रेलवे स्टेशन टीकमगढ़ से महू की यात्रा कोच टी-1 की बर्थ नंबर 2 और 8 में पत्नी दीक्षा रिछारिया के साथ सफर कर रहे थे। उनकी पत्नी बर्थ 2 पर लेटी थी, जबकि वह बर्थ नंबर 8 पर थे। दीक्षा लेडीज पर्स सिर के पास रखकर सो रही थी और बृजेंद्र जाग रहे थे। सुबह करीब चार बजे के आसपास एक व्यक्ति आया और उसने दीक्षा का लेडीज पर्स उठाकर गेट की तरफ भागने लगा। बृजेंद्र ने उसका पीछा किया तो वह चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। दरअसल, आउटर होने के कारण ट्रेन की रफ्तार कम थी। पर्स में पत्नी का एटीएम ,चाबियां, 2 अंगूठी, 4 हजार सात सौ रुपए की नगदी और मोबाइल रखा हुआ था। घटना की शिकायत बृजेंद्र रिछारिया ने महू जीआरपी को दी थी। महू से केस डायरी मिलने के बाद जीआरपी भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

रेलवे स्टेशन से बैग चोरी

इंदौर निवासी संतोष बाई ने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि 11 अक्टूबर को वह परिजन के साथ इंदौर से भोपाल इंटरसिटी एक्स से आईं थी। रेलवे स्टेशन भोपाल पर प्लेटफार्म नंबर 3 पर परिवार ट्रेन से उतर गया। सभी लोग प्लेटफार्म नंबर एक की तरफ बाहर आने लगे थे। इसी बीच संतोष बाई को याद आई कि उनका बैग प्लेटफार्म पर उतरने वाली जगह छूट गया है। वह लौटकर उसी स्थान पर पहुंची तो बैग नहीं था। आसपास तलाश करने के बाद भी उन्हें बैग नहीं मिला। बैग में ढाई हजार रुपए, सोने की झाले समेत 35 हजार रुपए का सामान था।

गले से मंगलसूत्र चोरी

निशातपुरा आउटर पर एक और चोरी का मामला सामने आया है। जीआरपी ने बताया कि उज्जैन निवासी संजू बाई 11 अक्टूबर को खजुराहो भोपाल महामना एक्स कोच डी/3 में अपने पति राहुल नायक के साथ खजुराहो से भोपाल की यात्रा कर रही थी। इस दौरान ट्रेन भोपाल के निशातपुरा आउटर खड़ी थी। जब निशातपुरा आउटर से चली तो देखा कि गले में मंगलसूत्र नहीं था। मगलसूत्र में सोने का पेंडल सहित 4 सोने के मोती लगे थे। चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत पंद्रह हजार रुपए है।

पातालकोट एक्सप्रेस में भी महिला का मंगलसूत्र चोरी

इधर, पाताल कोट एक्सप्रेस में भोपाल से बैतूल का सफर कर रही महिला के गले से 10 ग्राम का मंगलसूत्र चोरी हो गया। चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत पचास हजार रुपए बताई जा रही है। जीआरपी ने बताया कि मिथलेश पालीवाल बैतूल में रहती हैं। गत 7 अक्टूबर को पातालकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से बैतूल की यात्रा कर रही थी। रात करीब सवा 11 बजे भोपाल से पातालकोट एक्सप्रेस से छूटी थी। ट्रेन छूटने के महज तीन मिनट बाद मिथलेश पालीवाल ने देखा तो उनके गले से मंगलसूत्र चोरी हो चुका था। चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत पचास हजार रुपए थी। घटना की शिकायत मिथलेश ने आमला जीआरपी थाने में की थी। वहां से केस डायरी आने के बाद भोपाल जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

नाबालिग से बहला फुसलाकर दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल का सश्रम कारावास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को न्यायालय 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह फैसला 14वें अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय पोक्सो) तृप्ति पाण्डेय की अदालत ने सुनाया है।

लोक अभियोजन के अनुसार, 6 मई 2022 को पीड़िता की मां ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात लगभग 02:00 बजे पूरा परिवार साथ खाना खाने के बाद सो गया था, लेकिन जब सुबह करीब 08:00 बजे उठकर देखा उनकी नाबालिक पुत्री गायब थी। आस पास तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। पीड़िता की मां ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति बेटी को बहला फुसलाकर कहीं ले गया है।

न्यायालय ने आरोपी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

यह है पूरा मामला

मामले में पुलिस ने जांच के दौरान लड़की और आरोपी को खोज निकाला। पीड़िता ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 मे आरोपी से उसकी दोस्ती फेसबुक के माध्यम से हुई थी और बातचीत होने लगी थी। धीरे-धीरे समय बीतता गया और वह एक दूसरे को पसंद करने लगे। 06 मई 2022 को सुबह लगभग 06:30 बजे आरोपी उसे घर से गाडी पर बैठा कर कमला पार्क लेकर आया और फिर अपनी बहन के घर ले गया। जहां आरोपी ने जबरदस्ती कर संबंध बनाए। चिल्लाने की कोशिश की तो आरोपी ने मुंह पर हाथ रख दिया। आरोपी ने पीड़िता के मोबाईल की सिम तोडकर अपनी सिम डाली दी और लोकेशन पता चलने के बाद पुलिस आ गई।

तेरह साल से फरार चल रहा स्थाई वारंटी रायसेन से गिरफ्तार

भोपाल। बिलखिरिया पुलिस ने पिछले तेरह साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को रायसेन से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी हाकिम सिंह पुत्र रतन सिंह ग्राम सिदोरा जिला रायसेन का रहने वाला है। वह बिलखिरिया थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में वर्ष 2011 से फरार चल रहा था, जिसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी था। गत दिवस मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी हाकिम सिंह अपने परिजनों के पास रायसेन आया हुआ है। इस सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

रात 1 बजे तक थाने में टीआई को मौजूद रहने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आगामी विधानसभा चुनाव और त्यौहारों को लेकर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों की बैठक लेकर अपराधों की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने गुंडे-बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने तथा सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए व कहा कि त्यौहारों के दौरान सभी थाना प्रभारी रात्रि एक बजे तक थाना क्षेत्र में रहें तथा सोशल मीडिया पर नजर बनाए रखें।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अनुराग शर्मा के साथ ही समस्त डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त श्री मिश्र ने चुनाव संबंधी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, अपराधों के निराकरण, संवेदनशील पोलिंग बूथों का निरीक्षण, एरिया डोमिनेशन, फ्लैग मार्च, चेकिंग इत्यादि की विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न कराना हम सबकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी अधिकारी और थाना प्रभारी अतिसंवेदनशील होकर आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाएं। गुंडे और बदमाशों के खिलाफ लगातार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें तथा मादक पदार्थों व अवैध आर्म्स तस्करों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करें। आयुक्त ने क्षेत्र में लगातार भ्रमण करने, स्टॉफ को अलर्ट मोड पर रखने, लाइसेंसी हथियार जल्द से जल्द थानों में जमा कराएं के निर्देश दिए। उन्होंने नवरात्रि एवं दशहरे के मद्देनजर झांकी आयोजकों, रामलीला समिति, नगर रक्षा समिति एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद कर चुनाव आयोग के दिशा निदेर्शों से अवगत कराने, झांकियों एवं कार्यक्रम स्थलों पर आमजनों की सुरक्षा हेतु सभी महत्वपूर्ण इंतजाम रखने, सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु तथा त्यौहार शांति पूर्ण तरीके मनाने हेतु अपील करने तथा असामाजिक तत्वों पर नजर रखने को कहा है।

चुनाव तैयारी को लेकर पुलिस आयुक्त ने की अधिकारियों और कर्मचारी के साथ बैठक

शिक्षकों को प्राचार्य की अनुशंसा के बिना नहीं मिलेगा अवकाश

भोपाल। लोक शिक्षण संचालनालय संचालक डीएस कुशवाह ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को बिना प्राचार्य-प्रधानाध्यापक की अनुशंसा के अवकाश देने के मामले में नाराजगी जताई है। संचालक कुशवाह ने प्रदेश के सभी डीईओ और जेडी को इस संबंध में आदेश करते हुए कहा है कि स्कूलों में कार्यरत लोक सेवकों को शैक्षणिक योग्यता वृद्धि, प्रतियोगी परीक्षा में बैठने की अनुमति एवं अवकाश (संतान पालन अवकाश, अर्जित अवकाश) की स्वीकृति कतिपय में बिना प्राचार्य-प्रधानाध्यापक की अनुशंसा के जारी की जा रही है, जो कि उचित नहीं है तथा इससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए शासकीय विद्यालयों में कार्यरत लोक सेवकों को शैक्षणिक योग्यता वृद्धि, प्रतियोगी परीक्षा में बैठने की अनुमति एवं अवकाश (संतान पालन अवकाश, अर्जित अवकाश) की स्वीकृति बिना संस्था प्रमुख की अनुशंसा के जारी न की जाए।

ट्रेन से कटकर युवक ने दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित महाराणा अपार्टमेंट के सामने रेलवे ट्रैक पर गुरुवार रात एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। उसका शव ट्रैक पर पड़ा था, जबकि गर्दन कटकर दूर जा गिरी थी। घटनस्थल का निरीक्षण करने पर मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस को मृतक के पास से न तो सुसाइड नोट मिला है और न ही ऐसा कोई दस्तावेज जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

एएसआई दिनेश गौर ने बतारया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि महाराणा अपार्टमेंट के पास किसी युवक की लाश पड़ी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की उम्र करीब चालीस साल के आसपास बताई जा रही है। वह नीले रंग की शर्ट और नीले रंग का जींस पहने हुए है। पैर में कैंपस कंपनी के जूते हैं। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के थानों में भेज दिया है।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य
व कुंडली
विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010
shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

मेट्रो एंकर एक दिन पहले जहांगीराबाद सब्जी मंडी चौराहा पर की थी वारदात

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में एटीएम बदलकर खाते से रुपए निकालने वाला गिरोह सक्रिय है। एक दिन पहले गिरोह के एक सदस्य ने सब्जी मंडी चौराहा पर बैंक ऑफि इंडिया में वारदात को अंजाम दिया था और नर्सिंग की छात्रा के खाते से 25 हजार तीन सौ रुपए निकाल लिए थे। बदमाशों ने एक और वारदात जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित चर्च रोड के एसबीआई एटीएम में की?थी। घटना गत 7 अक्टूबर की शाम सवा सात बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जालसाजों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अजीम पिता हबीब मियां (40) जिंसी जहांगीराबाद में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 7 अक्टूबर की शाम वह चर्च रोड जहांगीराबाद स्टेट बैंक एटीएम गए थे। शाम करीब सवा सात बजे के आसपास वे एटीएम से पैसे निकाल रहे थे, तभी बाइक सवार तीन युवक एटीएम के बाहर पहुंचे और अंदर घुस गए। वे पीछे खड़े थे, जबकि एटीएम बूथ पर अजीम पैसे निकाल रहे थे। उन्होंने कार्ड लगातर पिन डाला तो आरोपियों ने पिन देख लिया।

तकनीकी खराबी बनी वजह

अजीम ने अमाउंट और पिन डाल कर पैसे निकलने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन तकनीकी खराबी होने के कारण पैसे नहीं निकले। आरोपियों एक आरोपी ने अजीम से कहा कि रुको मैं आपकी मदद करता हूं और बातों ही बातों में उसने अजीम से एटीएम कार्ड बदल लिया। पैसे नहीं निकलने के कारण अजीम वहां से निकल गए थे। वे दूसरे एटीएम पर पहुंचे और रुपए निकालने का प्रयास किया, लेकिन एटीएम बदल चुका था और पिन डालने पर गलत पिन बता रहा था। इधर आरोपियों को अजीम का एटीएम और पिन हाथ लग गया था। आरोपियों ने एटीएम के माध्यम से चार बार में कुल 39 जार 300 रुपए निकाल लिए। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का मैसेज आने पर अजीम ने किसी तरह एटीएम ब्लॉक कराया था और पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद 12 अक्टूबर की रात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को ही एक बदमाश ने नर्सिंग छात्रा के साथ इसी तरह की वारदात की?थी और उसके खाते से 25 हजार सात सौ रुपए निकाल लिए थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022